तापमान
अधिकतम 38 .7 डिग्री
न्यूनतम 24 .5 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 30 अगस्त 2026

12 हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को दी किया याद...

12 जूनियर व सीनियर दोनों वर्गों में कुशाग्र सदन ने...

खबर संक्षेप

फैक्टरी से चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। सीआईए- 2 ने औद्योगिक सेक्टर-29 से सोहिल निवासी बलहेड़ा, करनाल और खुशनसीब निवासी गढ़ी भरल को गिरफ्तार किया। सीआईए-2 प्रभारी सब इंस्पेक्टर अनिल पंवार ने बताया कि दोनों ने दो फरार साथियों के साथ फैक्टरी से 30 नई व पुरानी प्रिंटिंग स्क्रीन चोरी करना स्वीकार किया। दोनों को एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया।

पवन हत्याकांड का दूसरा आरोपी साहिल गिरफ्तार

पानीपत। एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने गुड़ मंडी निवासी 19 वर्षीय पवन की हत्या के मामले में दूसरे आरोपी साहिल को गिरफ्तार किया। सेल प्रभारी सब इंस्पेक्टर रमेश ने बताया कि साहिल ने पहले गिरफ्तार आरोपी पंकज के साथ वारदात करना स्वीकार किया। पुलिस ने दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। आरोपियों के कब्जे से पवन का मोबाइल भी बरामद किया गया।

आर्य समाज हुड्डा का श्रावणी कार्यक्रम 31 से

पानीपत। आर्य समाज हुड्डा से बेला भाटिया ने बताया कि आर्य जगत के भजनोपदेशक आचार्य कुलदीप आर्य द्वारा योगीराज श्री कृष्ण जी की अमृतमय कथा का आयोजन 31 अगस्त से 6 सितम्बर तक किया जा रहा है। जिसका समय 4 से 7 बजे तक रहेगा। योगेश्वर श्री कृष्ण जी के जीवन प्रसंगों के माध्यम से भक्ति, आचरण और जीवन मूल्यों का संदेश मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान होने वाले यज्ञ में डॉ.मनु देव जी ब्रह्मा के रूप में उपस्थिति दर्ज करवाएँगे। उन्होंने सभी आर्य समाजियों से उक्त कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया।

डीईओ राकेश ने किया स्कूलों का निरीक्षण

पानीपत। डीईओ राकेश बूरा ने आज जिला सांस्कृतिक समन्वयक संदीप रत्तेवाल के साथ जिले के विभिन्न राजकीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने डाहर, नौल्था, ब्राह्मण माजरा, कालखा तथा भादड़ का दौरा कर शैक्षणिक एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बूरा ने कक्षाओं में विद्यार्थियों से संवाद कर विषयवार प्रश्न पूछे तथा उनकी कॉपियां, कक्षा कार्य, लेखन क्षमता और विषय की समझ जांची। राकेश बूरा ने विद्यार्थियों को मिशन सुपर 100, मिशन बुनियाद के बारे में जानकारी देते हुए नियमित मेहनत, अभ्यास और लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कमी नहीं है, जरूरत सही दिशा और निरंतर प्रयास की है। विद्यालयों में मिड डे मील की गुणवत्ता, स्वच्छता और वितरण व्यवस्था की जांच की गई।

युवक ने घर में घुसकर युवती से किया दुष्कर्म

■ पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ किया केस दर्ज

यमुनानगर। शहर यमुनानगर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में युवक ने घर में घुसकर युवती के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने उसे इस बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। शहर यमुनानगर थाना क्षेत्र की एक कालोनी निवासी 24 वर्षीय युवती ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी अर्पित के साथ जान पहचान थी। एक दिन उसके घर के सभी सदस्य किसी काम से बाहर गए थे। घर पर वह अकेली थी। इस दौरान अर्पित उनके घर पर आ गया। आरोपी ने उसे घर पर अकेला पाकर उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। उसके विरोध करने पर आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। उसने डर के कारण घटना के बारे में किसी को नहीं बताया। पीड़िता ने बताया कि इसके बाद भी आरोपी उसे ब्लैकमेल कर उसके साथ दुष्कर्म करने का प्रयास करने लगा। परिजनों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने आरोपी युवक पर केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

कल तक बकाया संपत्ति कर जमा कराना होगा, स्व-प्रमाणीकरण भी अनिवार्य

75 प्रतिशत ब्याज माफी का लाभ लेने के लिए सिर्फ दो दिन बाकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

हरियाणा सरकार की ओर से संपत्ति करदाताओं को दी जा रही 75 प्रतिशत ब्याज माफी का लाभ लेने के लिए अब सिर्फ दो दिन शेष हैं। नगर निगम आयुक्त सलोनी शर्मा ने बकायादार संपत्ति मालिकों से अपील की है कि वे 31 अगस्त 2026 की अंतिम तिथि से पहले अपना लंबित संपत्ति कर जमा करवाकर इस विशेष राहत योजना का लाभ उठाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना का लाभ लेने के लिए बकाया संपत्ति कर जमा कराने के साथ संबंधित संपत्ति का स्व-प्रमाणीकरण करवाना भी जरूरी है।

शहरी स्थानीय निकाय विभाग की ओर से वर्ष 2010-11 से 2024-25 तक के लंबित संपत्ति कर बकायों पर देय ब्याज में एकमुश्त 75 प्रतिशत छूट देने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए करदाताओं को 31 अगस्त तक बकाया संपत्ति कर जमा करवाने के साथ संपत्ति कर बकाया भुगतान एवं बेबाकी प्रमाण-पत्र प्रबंधन प्रणाली पोर्टल पर अपनी संपत्ति का स्व-प्रमाणीकरण करना होगा।

चालू वित्तीय वर्ष में 24 करोड़ से अधिक की वसूली

नगर निगम आयुक्त ने बताया कि संपत्ति कर की वसूली को लेकर निगम की ओर से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 24 करोड़ रुपये से अधिक का संपत्ति कर एकत्रित किया जा चुका है। निगम ने इस वित्तीय वर्ष में 30 करोड़ रुपये संपत्ति कर संग्रह का लक्ष्य निर्धारित किया है। लक्ष्य हासिल करने के लिए करदाताओं को समय पर भुगतान के लिए जागरूक किया जा रहा है।

कर जमा कराने के साथ स्व-प्रमाणीकरण जरूरी

सलोनी शर्मा ने कहा कि केवल बकाया संपत्ति कर जमा करवाना पर्याप्त नहीं है। 75 प्रतिशत ब्याज माफी का लाभ लेने के लिए संबंधित संपत्ति का स्व-प्रमाणीकरण भी करवाना होगा। उन्होंने संपत्ति मालिकों से अपने संपत्ति संबंधी विवरण की जांच कर निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने की अपील की। इससे संपत्ति रिकॉर्ड को अद्यतन एवं पारदर्शी बनाने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि 31 अगस्त के बाद इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। निर्धारित अवधि के बाद बकाया राशि पर प्रचलित नियमों के अनुसार ब्याज देय होगा और जरूरत पड़ने पर वसूली के लिए नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

90 प्रतिशत डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का दावा

हड़ताल के बीच निगम ने संभाली सफाई की कमान, 250 मीट्रिक टन कचरा उठाया

30 संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बीच नगर निगम करनाल ने शहर की सफाई व्यवस्था को बनाए रखने के लिए अपने उपलब्ध संसाधनों को पूरी क्षमता से मैदान में उतार दिया है। सैनिटेशन टीम द्वारा शहर के विभिन्न हिस्सों में कचरा उठाने के साथ संवेदनशील स्थानों पर विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। निगम के अनुसार करीब 90 प्रतिशत डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण किया जा रहा है।

नगर निगम आयुक्त सलोनी शर्मा ने बताया कि घर-घर से कचरा उठाने के लिए डोर-टू-डोर टिप्पर वाहन भेजे जा रहे हैं। निगम का प्रयास है कि अधिक से अधिक क्षेत्रों को कवर करते हुए नियमित रूप से कचरा उठाया जाए, ताकि हड़ताल के बावजूद शहरवासियों को कम से कम परेशानी हो।

निगम की ओर से शहर में करीब 30 कचरा संवेदनशील बिंदु चिन्हित किए गए हैं। इन स्थानों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया है। जिन जगहों पर दोबारा कचरा जमा हुआ है, वहां भी लगातार उठान किया जा रहा है। सैनिटेशन टीम इन स्थानों की निगरानी के साथ सफाई व्यवस्था को बनाए रखने में जुटी है। सलोनी शर्मा ने बताया कि शनिवार को चलाए गए सफाई अभियान के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों से करीब 250 मीट्रिक टन कचरा उठाकर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र तक पहुंचाया गया। निगम अधिकारी और सैनिटेशन टीम के कर्मचारी फील्ड में रहकर सफाई व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। जहां अधिक मात्रा में कचरा जमा होने की सूचना मिलती है, वहां प्राथमिकता के आधार पर सफाई करवाई जा रही है।

खुले में कचरा न डालने की अपील

निगमायुक्त ने शहरवासियों से अपील की कि घरों और प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे को एकत्र करके रखें और निगम के कचरा संग्रहण वाहनों में ही डालें। खुले स्थानों, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न डालें। उन्होंने स्पष्ट किया कि सफाई कार्य में जानबूझकर अवरोध पैदा करने या सैनिटेशन टीम को काम करने से रोकने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ रखना निगम की प्राथमिकता है और उपलब्ध मशीनरी, वाहनों व मानव संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जा रहा है।

पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर मिलेंगी सीटें

अमरावती धार्मिक स्थल यात्रा का सितंबर शेड्यूल जारी

■ नि :शुल्क एसी बस सेवा से वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा लाभ, कई वर्षों से जारी है सेवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ पंचकूला

वरिष्ठ नागरिकों को धार्मिक स्थलों के दर्शन करवाने के उद्देश्य से कई वर्षों से संचालित की जा रही निःशुल्क बस सेवा के तहत सितंबर का यात्रा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। अमरावती एजुकेशनल सोसायटी, पंचकूला की ओर से संचालित इस सेवा में वरिष्ठ नागरिकों को एसी कोच के माध्यम से विभिन्न धार्मिक स्थलों की यात्रा करवाई जाएगी। यात्रा के लिए सीटें पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर उपलब्ध होंगी। सितंबर माह में चार धार्मिक यात्राओं का कार्यक्रम तय किया गया है। 5-6 सितंबर को सालासर धाम, 12 सितंबर को नैना देवी, 19 सितंबर को हरिद्वार तथा 26 सितंबर को रेणुका जी की यात्रा करवाई जाएगी। सालासर धाम यात्रा के दौरान रात का ठहराव पंचकूला भवन, सालासर में होगा, जबकि अन्य यात्राएं डे ट्रिप के रूप में होंगी।

बस यात्रा माता मनसा देवी गौधाम, पंचकूला से शुरू होकर वहीं समाप्त होगी। आयोजन संस्था की ओर से वरिष्ठ नागरिकों से इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की गई है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह बस सेवा पंचकूला के पूर्व मेयर कुलभूषण गोयल ने अपने पिता की स्मृति में शुरू की थी। पिछले कई वर्षों से चल रही इस सेवा के माध्यम से बुजुर्गों को देश के विभिन्न धार्मिक एवं तीर्थ स्थलों के दर्शन का अवसर मिल रहा है। निःशुल्क एसी बस सुविधा के कारण वरिष्ठ नागरिकों में इस सेवा को लेकर खासा उत्साह रहता है।

कनाड़ा में युवक को पीआर दिलाने के नाम पर 20.50 लाख की ठगी

■ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज किया केस

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

गांव मंगलई के सुखपाल चौहान से उसके बेटे को कनाडा में स्थायी नागरिकता और वर्क परमिट दिलवाने के नाम पर 20 लाख 50 हजार रुपये की ठगी हो गई। पीड़ित की शिकायत और आर्थिक अपराध शाखा की जांच रिपोर्ट के बाद नग्गल थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी व अमानत में खयानत की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

शिकायतकर्ता सुखपाल चौहान ने बताया कि उनका बड़ा बेटा शुभम चौहान पिछले 6 सालों से कनाडा में रह रहा है। दिसंबर 2025 में उसकी मुलाकात पंजाब के जिला बठिंडा गांव मंडी कलां के लवप्रीत सिंह भुल्लर से हुई। लवप्रीत ने शुभम को झांसा दिया कि वह भारत से आने वाले लोगों को कनाडा में पीआर दिलवाने का काम करता है और उसकी वहां के उच्च अधिकारियों से सीधी जान-पहचान है। आरोपी लवप्रीत के बहकावे में आकर पीड़ित परिवार ने मार्च 2025 से मार्च 2026 के बीच अलग-अलग किस्तों में कुल 20,50,000 रुपये की रकम आरोपी को भुगतान कर दिया। यह रकम नगदी, बैंक ट्रांसफर और गूगल पे के जरिए दी गई। मार्च 2025 में टोकन मनी के तौर पर आरोपी के भाई को गांव मंगलई आकर 5 लाख रुपये नकद दिए गए। जुलाई 2025 से मार्च 2026 के बीच कई किस्तों में कुल 11,995 कनाडाई डॉलर आरोपी और कथित वकील के खाते में ट्रांसफर करवाए गए। नवंबर 2025 में आरोपी के निर्देश पर करीब 5.54 लाख रुपये भारतीय बैंक खातों और गूगल पे के जरिए भेजे गए। लाखों रुपये ऐंठने के बावजूद जब काम नहीं हुआ और शुभम ने अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपी लवप्रीत गाली-गलौच पर उतर आया और उसे जान से मारने की धमकियां देने लगा। आरोपी ने स्पष्ट कहा कि वह जो चाहे कर ले, पैसे वापस नहीं मिलेंगे।

पता पूछने के बहाने व्यक्ति के गले से झपटी सोने की चेन

■ पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार युवकों के खिलाफ किया केस दर्ज

यमुनानगर। गांव संधाला के पास बाइक सवार दो युवकों ने कार चालक से पता पूछने के बहाने उसके गले से सोने की चेन झपट ली। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात बाइक सवार युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गांव मखाला निवासी दीवान सिंह ने जठलाना पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह 28 अगस्त को शाम साढ़े चार बजे अपनी कार में नगली घाट के पास खड़ा था। इस दौरान बाइक पर सवार होकर दो युवक आए। आरोपी उससे पता पूछने लगे। इस दौरान जब तक वह कुछ समझ पाता आरोपी युवक उसके गले से सोने की चेन झपट ली और मौके से फरार हो गए। उसने आरोपियों का पीछा करने का प्रयास किया मगर आरोपी भागने में कामयाब रहे। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

मेडिकल बिलों में कटौती पर जताया रोष

बिजली पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ थानेसर

हरियाणा बिजली पेंशनर्स वेल्फेयर एसोसिएशन यूनिट कुरुक्षेत्र की मासिक बैठक शनिवार को पंजाबी धर्मशाला में जिला प्रधान के.सी. वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। मंच संचालन जिला सचिव रामेश्वर ने किया। बैठक की शुरुआत अगस्त माह में जन्मदिन वाले पेंशनर्स का जन्मदिन मनाकर की गई।

सभी सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं तथा जलपान की व्यवस्था की गई। बैठक में एक्सईएन कार्यालय कुरुक्षेत्र द्वारा मेडिकल बिलों में कथित तौर पर 10 से 15 प्रतिशत की अनावश्यक कटौती किए जाने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। पेंशनर्स ने कहा कि एसई कुरुक्षेत्र के निर्देशों के बावजूद मेडिकल बिलों में कटौती जारी है, जिससे उनमें रोष है। इस मामले से अतिरिक्त जनरल सेक्रेटरी चमन लाल शर्मा को भी अवगत कराया गया है। अब आवश्यक कार्रवाई केंद्रीय परिषद, हेड ऑफिस रोहतक द्वारा की जाएगी। जिला प्रधान के.सी. वर्मा ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में 23 अगस्त को केंद्रीय परिषद द्वारा रोहतक में आयोजित की जाने वाली बैठक के संबंध में सदस्यों को जानकारी दी। बैठक में जवाहर सिंह, बलबीर सिंह, ओ.पी. वर्मा, राजपाल कोहली, हुकमचंद सैनी, ओ.पी. घेरा सहित अन्य पेंशनर्स उपस्थित रहे। अंत में सभी सदस्यों का धन्यवाद करते हुए बैठक का समापन किया गया।

थानेसर। हरियाणा बिजली पेंशनर्स वेल्फेयर एसोसिएशन यूनिट कुरुक्षेत्र की मासिक बैठक में उपस्थित पदाधिकारी एवं पेंशनर्स। फोटो : हरिभूमि

पानीपत। प्रदर्शन को संबोधित करते मंत्री कृष्ण पंवार और कांग्रेस नेताओं के पुतले फूंकते भाजपा नेता व कार्यकर्ता।

भाजपा ने कांग्रेस नेताओं के पुतले फूंके

■ लोकतंत्र की मर्यादा को ठेस पहुंचाने वाले कांग्रेसियों को जनता माफ नहीं करेगी : कृष्ण पंवार

पानीपत। भाजपा जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट की अध्यक्षता में आज कांग्रेस पार्टी के नेताओं के पुतला दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार, पानीपत शहर विधायक प्रमोद विज, मेयर कोमल सैनी, भाजपा नेता हरपाल ढांडा, नेहा शर्मा व अमित पंडित मौजूद रहे। विधानसभा में कांग्रेस विधायक इंदु राज नरवाल उर्फ भालू द्वारा विधायक जरनैल सिंह से पर्चा छीने जाने की अमर्यादित हरकत और 1984 सिख दंगों के आरोपियों को अपना रोल मॉडल बताने वाली कांग्रेसी मानसिकता के खिलाफ आज यह आक्रोश प्रदर्शन किया गया। लघु सचिवालय के बाहर पुल के नीचे आयोजित इस विरोध मार्च और प्रदर्शन में भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विधायक इंदु राज नरवाल उर्फ भालू का पुतला दहन कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि विधानसभा जैसी जगह पर कांग्रेस विधायकों द्वारा किया गया यह कृत्य बेहद घिनौना और असंसदीय है। उन्होंने कहा कि देश के लोकतंत्र और मर्यादा को ठेस पहुंचाने वाले इन नेताओं को जनता कभी माफ नहीं करेगी। 1984 के सिख दंगों के दोषियों को अपना आदर्श मानने वाली कांग्रेस का असली चेहरा एक बार फिर बेनकाब हो गया है। मौके पर जिला महामंत्री सुनील कंसल, सुमित जागलान, संजय त्यागी, संजीव दहिया, हरीश कटारिया, पार्षद अशोक कटारिया, रॉकी गहलोत, जोनी सग्गू, राजेश भारद्वाज, प्रमोद कुराडिया साहब सिंह रंगा, अतर सिंह प्रजापति, ओम दत्त आर्य, पुष्पा पासी, कृष्ण छोक्कर,सुभाष कबीरपंथी व सुलेख आदि मौजूद रहे।

अजगर ने निगल लिया करीब बीस किलो का कुत्ता

हैदरपुर गांव के खेतों में मिला दस फीट का अजगर

वन्यजीव विभाग की टीम ने अजगर को रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

जिले के हैदरपुर गांव के खेतों में शनिवार को करीब दस फीट लंबा अजगर मिलने से हड़कंप मच गया। खेतों में काम कर रहे मजदूरों की नजर अजगर पर पड़ी तो उन्होंने इसकी सूचना ग्रामीणों को दी। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

शनिवार को हैदरपुर के खेतों में गांव के कुछ मजदूर गन्ना बांध रहे थे। इस दौरान मजदूरों ने खेतों में अजगर को देख लिया। मजदूरों ने तुरंत गांव के सरपंच को सूचना दी। सूचना मिलते ही सरपंच अन्य ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे और वन्य जीव विभाग के अधिकारियों को मामले से अवगत करवाया। वन्यजीव विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर अजगर को रेस्क्यू कर लिया। वन्यजीव विभाग की टीम ने कहा कि अजगर ने करीब 20 किलो वजन के कुत्ते को निगल लिया था। अजगर द्वारा कुत्ते को निगलने और बाद में उसे मुंह से बाहर उगल दिया। टीम ने अजगर को सुरक्षित कब्जे में लेने के बाद उसे पास के जंगल में उसके प्राकृतिक वातावरण में छोड़ दिया।

यमुनानगर। खेतों में मिले अजगर को रेस्क्यू करती वन्यजीव विभाग की टीम व कुत्ता निगलने के बाद चैन से बैठा अजगर। फोटो : हरिभूमि

गांव में दिनभर बनी रही चर्चा

वन्य जीव विभाग की रेस्क्यू टीम इंचार्ज मोहित ने बताया कि बारिश के मौसम में सांप और अन्य वन्यजीव अक्सर खेतों व आबादी के आसपास दिखाई दे सकते हैं। वन्यजीव विभाग ने लोगों से अपील की है कि सांप या अजगर दिखाई देने पर उसके करीब न जाएं और न ही उसे पकड़ने का प्रयास करें। इसकी सूचना तुरंत वन्यजीव विभाग को दें।

न्यूज डायरी

मेजर ध्यानचंद की उपलब्धियों से रूबरू हुईं छात्राएं

करनाल। कुमारी विद्यावती आनंद डीएवी महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस एवं मेजर ध्यानचंद जयंती के अवसर पर छात्राओं को खेलों से जोड़ने और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 80 छात्राओं ने हिस्सा लिया। शारीरिक शिक्षा विभाग, स्पोर्ट्स क्लब एवं योग क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम प्राचार्या मीनू शर्मा के मार्गदर्शन में हुआ। छात्राओं को हॉकी के महान खिलाड़ी एवं 'हॉकी के जादूगर' मेजर ध्यानचंद के जीवन, खेल उपलब्धियों और देश के प्रति योगदान पर आधारित करीब 25 मिनट की डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। छात्राओं को खेल भावना, अनुशासन, स्वास्थ्य, फिटनेस और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों के पालन की शपथ दिलाई गई।इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापिकाएं डॉ. सुनीत भंडारी, डॉ. सुषमा ठाकुर और डॉ. संगीता गोरांग मौजूद रहीं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शारीरिक शिक्षा विभाग, स्पोर्ट्स क्लब एवं योग क्लब की कन्वीनर डॉ. सुमन, तरजीत, मेघा, डॉ. सीमा रानी, डॉ. नीलम तथा गैर-शिक्षक वर्ग का योगदान रहा।

श्री कृष्ण गऊशाला में विश्व शांति की कामना

करनाल। श्री कृष्ण गऊशाला के देवधाम में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। गऊशाला कमेटी के पदाधिकारियों और गौसेवा के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं ने हवन में आहूतियां डालकर विश्व शांति तथा परिवारों की सुख-समृद्धि की कामना की। गऊशाला के प्रधान सुनील गुप्ता ने बताया कि गीता मनीषी महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के सानिध्य में हवन यज्ञ की परंपरा शुरू हुई थी। प्रमुख त्योहारों के अलावा हर माह अमावस्या और पूर्णिमा पर भी हवन यज्ञ किया जाता है। उन्होंने बताया कि गऊशाला परिसर में बने मंदिर में प्रतिदिन संकीर्तन होता है और शाम को श्रद्धालु परिक्रमा करते हैं। गौवंश की सेवा के लिए गऊ सेवा सदन का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। वहीं गौवंश के इलाज के लिए निशुल्क चिकित्सालय भी संचालित किया जा रहा है। सुनील गुप्ता ने बताया कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व भी गऊशाला में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर दुलियाराम, बलबीर लाठर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं ने महापौर को भेंट किया पावन निमंत्रण

करनाल। मां बाला सुंदरी के प्रति श्रद्धा और आस्था रखने वाले श्रद्धालुओं ने महापौर रेणु बाला गुप्ता के निवास पर पहुंचकर हथीरा जी में आयोजित होने वाले भव्य जागरण का पावन निमंत्रण दिया। इस दौरान भाजपा के पूर्व कार्यकारी जिलाध्यक्ष बृज गुप्ता भी मौजूद रहे। श्रद्धालुओं ने महापौर और बृज गुप्ता को जागरण में शामिल होने का आग्रह करते हुए निमंत्रण भेंट किया।

महापौर रेणु बाला गुप्ता ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए मां बाला सुंदरी के चरणों में नमन किया और जागरण के आयोजन के लिए आयोजकों व श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मां भगवती की भक्ति और आराधना मन को शांति देने के साथ सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। धार्मिक आयोजन हमारी आस्था, संस्कृति और परंपराओं का अभिन्न हिस्सा हैं। महापौर ने कहा कि मां भगवती के जागरण जैसे आयोजन समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव की भावना को मजबूत करते हैं। ऐसी धार्मिक परंपराएं नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का भी माध्यम हैं। सामूहिक रूप से मां भगवती की आराधना करने से वातावरण भक्तिमय होता है और लोगों में सकारात्मक भाव पैदा होते हैं। मां बाला सुंदरी की कृपा और आशीर्वाद सभी पर बना रहे तथा प्रत्येक परिवार में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली का वास हो। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व कार्यकारी जिलाध्यक्ष बृज गुप्ता ने भी जागरण के आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं।

राजकीय महाविद्यालय में खेल प्रतियोगिता संपन्न

इंद्री। शहीद उधम सिंह राजकीय महाविद्यालय मटक माजरी इंद्री में हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस व राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन खेलों का आयोजन शारीरिक शिक्षा विभाग व एनएसएस सेल के द्वारा महाविद्यालय प्रांगण में करवाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के बीच 100 मीटर दौड़, रस्साकशी तथा शटल दौड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ इन सभी स्पर्धाओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह बागी ने विद्यार्थियों को खेलों के महत्त्व पर प्रकाश डाला और मेजर ध्यानचंद के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज के समय में युवाओं के लिए खेलों का महत्व और भी बढ़ गया है। खेल विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ उनमें सकारात्मक सोच और प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करते हैं। इस मौके पर डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. अनिला दिल्लों, डॉ. अनीता दुल, डॉ. गुलाब, डॉ. सुमित, डॉ. सविता रानी, डॉ. पूजा, डॉ. श्री भगवान भारद्वाज, डॉ. कुलदीप व अमन मलिक सहित स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

इंद्री। अनाज मंडी स्थित अधिकारी आवासीय परिसर में तहसीलदार विनोद कुमार के नेतृत्व में पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के करीब 48 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में मार्किट कमेटी के चेयरमैन महेंद्र पंजोखरा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि सोशल जस्टिस एंड एमपावरमेंट काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन रिंकू सैनी विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर महेंद्र पंजोखरा ने कहा कि पौधारोपण का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। पौधे से हमें शुद्ध ऑक्सीजन मिलती है, जो हमारे जीवन का आधार है। प्रदेश सरकार द्वारा भी पौधारोपण को लेकर विभिन्न अभियान चलाए जा रहे हैं। 'एक पेड़-एक पौधा' और 'एक पेड़ मां के नाम' जैसी मुहिम के माध्यम से पूरे देश में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है। तहसीलदार विनोद कुमार ने कहा कि सरकार पर्यावरण संरक्षण को लेकर विभिन्न योजनाएं चला रही है। आज वातावरण लगातार प्रदूषित होता जा रहा है, जिसके कारण स्वच्छ हवा मिलना भी मुश्किल होता जा रहा है। सोशल जस्टिस एंड एमपावरमेंट काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन रिंकू सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई 'एक पेड़ मां के नाम' मुहिम को देशभर में लोगों का समर्थन मिल रहा है।

तरावड़ी में जगह-जगह लगे कूड़े के ढेर

पुलिस और हड़ताली सफाई कर्मचारी हुए आमने-सामने

- मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

तरावड़ी। मांगों को लेकर प्रदर्शन करते नगरपालिका सफाई कर्मचारी व मौके पर मौजूद पुलिस कर्मी।

नगरपालिका सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के चलते तरावड़ी में एक बार फिर माहौल तनावपूर्ण हो गया। अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा। पुलिस की मौजूदगी के बावजूद कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन करते हुए अपना रोष जाहिर किया।

हड़ताली कर्मचारियों ने कहा कि वे लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का उचित समाधान नहीं किया जा रहा। कर्मचारियों ने सरकार और प्रशासन से उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने अपनी एकजुटता दिखाते हुए जमकर नारे लगाए।

मौके पर पुलिस बल की तैनाती के चलते स्थिति पर नजर रखी गई। पुलिस और कर्मचारियों के आमने-सामने होने से कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बनी रही। हालांकि प्रदर्शन के दौरान कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर अड़े रहे। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब तक उनकी मांगों को लेकर ठोस समाधान नहीं निकाला जाता, उनका आंदोलन जारी रहेगा। कर्मचारियों ने यह भी कहा कि किसी भी हाल में सफाई कार्य नहीं करने दिया जाएगा।

सफाई व्यवस्था प्रभावित

नगरपालिका सफाई कर्मचारियों के विरोध के कारण शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। जगह जगह सडक़ों , गालियो मे कूड़े के ढेर लग गये है। आसपास वातावरण दूषित व दुर्गंध फैल रही है। अब देखना होगा कि प्रशासन और सरकार की ओर से कर्मचारियों की मांगों को लेकर क्या कदम उठाया जाता है।

24वें दिन भी हड़ताल पर पालिका व फायर कर्मचारी

करनाल। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा एवं हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर पालिका और फायर कर्मचारियों की हड़ताल शनिवार को लगातार 24वें दिन भी जारी रही। कर्मचारियों ने नगर निगम परिसर में एकत्र होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और मांगों को लेकर रोष जताया। धरने की अध्यक्षता नगरपालिका शाखा प्रधान राजकुमार और अग्निशमन जिला प्रधान संदीप त्यागी ने संयुक्त रूप से की, जबकि संचालन पालिका शाखा संगठन सचिव बिंद्र और अग्निशमन जिला सचिव कमलजीत ने किया। कर्मचारी नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार कर्मचारियों की मांगों का समाधान करने की बजाय पुलिस कार्रवाई के जरिए आंदोलन को दबाने का प्रयास कर रही है। जब तक सरकार मानी गई मांगों के लिखित आदेश जारी नहीं करती, आंदोलन जारी रहेगा। अग्निशमन कर्मचारी महासंघ के महासचिव गुलशन भारद्वाज, अध्यापक संघ के पूर्व प्रदेश कैशियर उदम सिंह राठी और सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव सेवा राम बड़सर ने कहा कि 13 मई को सरकार के साथ हुए समझौते में 17 मांगों पर सहमति बनी थी। इनमें पालिका व फायर कर्मचारियों को पक्का करना, सफाई व सीवरमैन की पक्की भर्ती, ठेका प्रथा समाप्त करना, शहीद फायर कर्मचारियों के आश्रितों को 50-50 लाख रुपये मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और फायर व सफाई कर्मचारियों को जोखिम भत्ता देने जैसी मांगें शामिल थीं।

विधायकों पर कार्रवाई करें स्पीकर : त्रिलोचन

करनाल।हरियाणा अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व चेयरमैन एवं भाजपा नेता त्रिलोचन सिंह ने विधानसभा में सिख समाज की भावनाओं को आहत करने वाले घटनाक्रम की जांच करवाकर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शनिवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर कांग्रेस नेताओं की टिप्पणियों पर भी रोष जताया।

त्रिलोचन सिंह ने कहा कि 1984 के दंगा पीड़ितों के जख्म आज भी ताजा हैं। ऐसे में सज्जन कुमार को सांसद दीपेंद्र हुड्डा द्वारा रोल मॉडल बताए जाने से सिख समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा में सिख विधायक जरनैल सिंह दंगा पीड़ितों के समर्थन में पोस्टर लेकर पहुंचे थे। उनके अनुसार कांग्रेस विधायक इंदुराज नरवाल ने पोस्टर छीनकर पैरों तले कुचल दिया। उन्होंने इसे गंभीर मामला बताते हुए विधानसभा स्पीकर से जांच और कार्रवाई की मांग की। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष भूपिंद्र सिंह हुड्डा और हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह से भी मामले में स्थिति स्पष्ट करने और सिख समाज से माफी मांगने की मांग की। त्रिलोचन सिंह ने हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान जगदीश सिंह झिंडा पर सुविधा के अनुसार राजनीति करने का आरोप लगाया।

श्री रघुनाथ मंदिर में भागवत कथा

करनाल। श्री रघुनाथ मंदिर सभा (ट्रस्ट) की ओर से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मंदिर परिसर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। महोत्सव के तहत आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में देवी राधे प्रिया ने भगवान के नाम संकीर्तन की महिमा बताते हुए अजामिल का प्रसंग सुनाया। उन्होंने कहा कि भगवान का नाम मनुष्य को कठिन से कठिन परिस्थितियों से भी बाहर निकाल सकता है। कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए। शनिवार को कथा में मुख्य यजमान के रूप में समाजसेवी डॉ. भोपाल सिंह, राकेश वोहरा, ओम प्रकाश, सुरेश घई और बिट्टू सरपंच परिवार सहित उपस्थित रहे। देवी राधे प्रिया ने व्यास पीठ से 'मन चल वृंदावन चलिए' नाम संकीर्तन करवाया। कथा के दौरान उन्होंने बताया कि कान्यकुब्ज ब्राह्मण कुल में जन्मा अजामिल कर्मकांडी और धार्मिक प्रवृत्ति का व्यक्ति था, लेकिन बाद में गलत संगति के कारण उसका जीवन बदल गया। संतों की प्रेरणा से उसने अपने पुत्र का नाम नारायण रखा और उससे अत्यधिक प्रेम करने लगा। उन्होंने कहा कि जब अजामिल का अंतिम समय आया तो उसने अपने पुत्र को पुकारते हुए नारायण नाम का उच्चारण किया।

अंडर-11 स्कूल गेम्स में खिलाड़ियों ने जीते स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

सेंट थेरेसा कॉन्वेंट स्कूल में शिक्षा विभाग करनाल की ओर से आयोजित अंडर-11 स्कूल गेम्स जिला स्केटिंग चैंपियनशिप में जिले के विभिन्न स्कूलों से पहुंचे नन्हे स्केटर्स ने शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

समापन समारोह में बीडीओ शिखा भारद्वाज मुख्य अतिथि रहीं, जबकि सेंट थेरेसा कॉन्वेंट स्कूल की वरिष्ठ उप-प्रधानाचार्या प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय चैंपियनशिप के लिए किया गया है। अदविक चौधरी ने दो स्वर्ण पदक हासिल किए। अक्स प्रताप सिंह ने एक स्वर्ण और एक रजत, जॉर्डन चीमा ने एक रजत व एक कांस्य तथा अविराज ने एक रजत पदक जीता। वीर ठाकुर और शनुज ने भी एक-एक कांस्य पदक अपने नाम किया। वरसीरत ने दो स्वर्ण, दित्या ने एक स्वर्ण व एक रजत, वाही ने दो रजत, नव्या ने दो कांस्य और विहाना ने एक कांस्य पदक हासिल किया। लड़कों में गौरव ने दो स्वर्ण, अर्थव ने एक स्वर्ण व एक रजत, तन्मय ने एक रजत व एक कांस्य, भुवेश ने एक रजत तथा आर्यन व कारज सिंह विर्क ने एक-एक कांस्य पदक जीता। लड़कियों में पर्णिका ने दो स्वर्ण, करमन ने एक स्वर्ण व एक रजत, राध्या सेठी ने एक रजत व एक कांस्य, मृथुला ने एक रजत और काशवी ने दो कांस्य पदक जीते।

श्री खाटू श्याम मंदिर में प्रथम वर्षगांठ महोत्सव आज : बंसल

तरावड़ी। वार्षिक उत्सव को लेकर श्री खाटू श्याम मन्दिर मे तैयारियां हुई मुकम्मल। श्री खाटू श्याम मन्दिर लखदातार परिवार चैरीटेबल ट्रस्ट के संरक्षक प्रमोद बंसल एवं विनीत बंसल ने बताया कि तरावड़ी शहर के खाटू श्याम मंदिर का प्रथम वर्षगांठ महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। 30 अगस्त रविवार को श्याम संकीर्तन एवं अमृतमय भंडारे का भव्य आयोजन खाटू श्याम मंदिर नत्था सिंह नगर नजदीक रेलवे स्टेशन तरावड़ी में किया जा रहा है। महोत्सव में इत्र वर्षा, मनमोहक दरबार, छप्पन भोग, भव्य श्रृंगार, पुष्प वर्षा, श्याम रसोई, आकर्षक सैल्फी प्वाईंट भी आकर्षण का केंद्र बनेगी।

767 जरूरतमंद छात्राओं को बांटी साइकिलें

महिलाओं को मिलेगा ब्यूटीशियन प्रशिक्षण

- सुबह-शाम के बैच से महिलाओं को सुविधा मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों को कौशल, रोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ने की दिशा में अंत्योदय फाउंडेशन ने शनिवार को घरौंडा क्षेत्र के गांव कैमला में करनाल लोकसभा क्षेत्र के सातवें कौशल विकास केंद्र की शुरुआत की। केंद्र का शुभारंभ हवन-यज्ञ एवं विधिवत पूजन-अर्चन के साथ हुआ। यहां महिलाओं एवं युवतियों को ब्यूटीशियन प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय ऊर्जा एवं आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल के प्रतिनिधि कविंद्र राणा, अंत्योदय फाउंडेशन के अनिरुद्ध यादव, कोषाध्यक्ष बृज गुप्ता, पार्षद जोगिंदर शर्मा, बरसत मंडल अध्यक्ष नरेश कुमार, शक्ति केंद्र प्रमुख मास्टर रघुबीर सिंह, महेंद्र सिंह, मोहन लाल ठाकुर, राजकुमार सहित अन्य गणमान्य लोग एवं ग्रामीण मौजूद रहे। करनाल और पानीपत जिलों के गांवों में सर्वेयर करीब 5,500 परिवारों से संपर्क कर चुके हैं। इसी जमीनी जानकारी के आधार पर विभिन्न गांवों में कौशल विकास केंद्र शुरू किए जा रहे हैं। कौशल केंद्रों में महिलाओं और युवतियों की घरेलू जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए सुबह और शाम के बैच चलाए जाएंगे। प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल प्रमाण-पत्र देना नहीं, बल्कि प्रशिक्षणार्थियों को स्थानीय रोजगार, घर आधारित काम, बुटीक, सेवा केंद्र अथवा अपना स्वरोजगार शुरू करने के अवसरों से जोड़ना है।

75 गांवों तक पहुंच बढ़ाने का लक्ष्य

फाउंडेशन आने वाले समय में 11 नए कौशल विकास केंद्र स्थापित करने की दिशा में काम करेगा। इनमें सिलाई, कंप्यूटर और ब्यूटीशियन के साथ एसी-फ्रिज मरम्मत, मोबाइल मरम्मत, कार मैकेनिक, मशरूम उत्पादन और पशुपालन सहित अन्य रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण शामिल होंगे। विदेशों में रोजगार की संभावनाओं को देखते हुए युवाओं के लिए लेफ्ट हैंड एवं राइट हैंड ड्राइविंग प्रशिक्षण का भी विस्तार किया जाएगा।

न्यूज डायरी

सितंबर में चलेगा पीएम स्वनिधि का विशेष अभियान

करनाल। पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का अधिक से अधिक लाभ दिलाने के उद्देश्य से जिले में 1 से 30 सितंबर तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान नगर निगम करनाल सहित जिले की सभी नगर पालिकाओं और सेंसस टाउन उंचा समाना में विशेष कैंप एवं लोक कल्याण मेलों का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी जिला नगर आयुक्त सलोनी शर्मा ने शनिवार को दी। योजना के तहत प्रथम चरण में 15 हजार रुपये, प्रथम ऋण का समय पर भुगतान करने के बाद द्वितीय चरण में 25 हजार रुपये तथा द्वितीय ऋण का समय पर भुगतान करने के बाद तृतीय चरण में 50 हजार रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। जिला नगर आयुक्त ने बताया कि करनाल जिले में अब तक 14,228 पथ विक्रेताओं को प्रथम ऋण, 4,800 को द्वितीय ऋण तथा 1,631 पथ विक्रेताओं को तृतीय ऋण दिया जा चुका है। विशेष अभियान के दौरान अभी तक योजना से वंचित पात्र पथ विक्रेताओं की पहचान कर उन्हें योजना से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

काश्वी और आस्था ने जिले में पाया प्रथम स्थान

करनाल। दयाल सिंह पब्लिक स्कूल, दयाल सिंह कॉलोनी में कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या सुषमा देवगन और मुख्य अध्यापिका प्रिया कपूर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता के लिए निरंतर मेहनत, लगन, अनुशासन और सकारात्मक सोच जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम के साथ आलोचनात्मक चिंतन और नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। समारोह में कक्षा बारहवीं की काश्वी ने वाणिज्य संकाय में 99 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं आस्था ने मेडिकल संकाय में 97 प्रतिशत अंक लेकर जिले में प्रथम स्थान हासिल किया। दोनों छात्राओं को ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कक्षा दसवीं एवं बारहवीं में 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी ट्रॉफी एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए।

बैडमिंटन-शतरंज में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

करनाल। राजकीय महिला महाविद्यालय, करनाल में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर अंतरकक्षा बैडमिंटन एवं शतरंज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बैडमिंटन प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष की सिया ने प्रथम, दीपा ने द्वितीय और मोनिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बीएससी अंतिम वर्ष की प्रतियोगिता में मेहक दीप ने प्रथम, भव्य ने द्वितीय और एमएससी कंप्यूटर साइंस की जया ने तृतीय स्थान हासिल किया। शतरंज में बीए पांचवें सेमेस्टर की वंशिका प्रथम तथा मुस्कान द्वितीय स्थान पर रहीं। प्राचार्य डॉ. विवेक रंगा ने विजेता छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास, एकाग्रता और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं।

मुक्केबाजी में तरावड़ी के छात्र ने जीता कांस्य पदक

तरावड़ी। प्रताप पब्लिक स्कूल, तरावड़ी के लिए यह अत्यंत गौरव एवं हर्ष का अवसर है कि विद्यालय के कक्षा बारहवीं वाणिज्य वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थी भविष्य सचदेवा ने राज्य स्तरीय एसजीएफआई मुक्केबाजी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया। भविष्य ने प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट खेल कौशल, आत्मविश्वास, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। कठिन परिश्रम, निरंतर अभ्यास और खेल के प्रति समर्पण के बल पर उन्होंने राज्य स्तर पर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। उनकी इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में खुशी एवं गर्व की लहर है। यह सफलता विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों के प्रति समर्पित होकर निरंतर प्रयास करने, आत्मविश्वास बनाए रखने तथा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है। विद्यालय के चेयरपर्सन हनी चौधरी ने भविष्य सचदेवा को इस शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि निरंतर परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से विद्यार्थी किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने भविष्य के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। विद्यालय की निदेशिका पिथी चौधरी ने भविष्य को कांस्य पदक जीतने पर बधाई देते हुए उनके समर्पण एवं खेल भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की ऐसी उपलब्धियाँ विद्यालय के लिए गर्व का विषय हैं तथा अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती हैं।

भाविप घरौंडा ने किया चशमा वितरण कार्यक्रम

घरौंडा। भारत विकास परिषद शाखा घरौंडा द्वारा चलाये जा रहे संस्कृति पखवाड़े के अंतर्गत आज राजकीय उच्च विद्यालय मे चस्मा वितरण किया गया शाखा द्वारा पहले नेत्र जाँच कैम्प लगाया गया था उस कैंप में करीब ढाई सौ बच्चों की जांच की गई 20 बच्चों की आंखों में कमी पाई गई थी आज उन 20 बच्चों को चश्मे वितरित किये गये सर्वप्रथम मुख्याध्यापक श्री ईश्वर कश्यप जी तथा परिषद सदस्य द्वारा भारत माता तथा स्वामी विवेकानंद जी प्रतिमा पर् माल्यार्पण करके कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई मुख्य अध्यापक श्री ईश्वर कश्यप जी ने भारत विकास परिषद घरौंडा का अपने विद्यालय में आने पर अभिनंदन किया तथा परिषद द्वारा चलाए जा रहे कार्यों की स्वर में प्रशंसा की भविष्य में विद्यालय में समय-समय पर सेवा के कार्य करने की मांग की। शाखा अध्यक्ष संजय सचदेवा ने विद्यालय प्रशासन व शाखा सदस्यों का धन्यवाद करते हुए बच्चों को अपने स्वास्थ्य के प्रतिसचेत रहने तथा अपने शरीर के अंगों की समयपर पर देखभाल करते रहने रहने के लिए प्रेरित किया इस कार्यक्रम के प्रकल्प प्रमुख राजपाल पाल तथा गौरव जैन रहे क्षेत्रीय संपर्क संयोजक श्री धीरज भाटिया ने बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी व धर्म और संस्कृति संबंधी आवश्यक सूत्र बताएं तथा उन्होंने बच्चों से आह्वान किया तथा उन्हें स्वदेशी अपनाने, दंत तथा नेत्र सुरक्षा व अन्य उपयोगी जानकारियां दी। शाखा सचिव सुरेन्द राणा ने भारत विकास परिषद की नीतियों से विधालय प्रशासन व बच्चों को विस्तार से अवगत कराया इस अवसर पर शाखा सचिव सुरेंद्र राणा वित सचिव राकेश चुघ, पखवाड़ा प्रमुख आशीष गुप्ता , आदि मौजूद रहे

श्रीमद्भागवत कथा का अमृत 5 से 11 सितंबर तक

तरावड़ी। विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक और धार्मिक नगरी तरावड़ी आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर होने जा रही है। देश के प्रसिद्ध भागवत कथा वाचक अनिरुद्ध आचार्य जी आगामी 5 सितंबर से 11 सितंबर तक नई अनाज मंडी, तरावड़ी में श्रीमद्भागवत कथा का अमृत वर्षा करेंगे। कथा को लेकर क्षेत्र के श्रद्धालुओं में अभी से भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। इस भव्य आयोजन की जानकारी देते हुए प्रसिद्ध उद्योगपति एवं तरावड़ी अग्रवाल सभा के अध्यक्ष रमेश गुप्ता ने बताया कि कथा का शुभारंभ 5 सितंबर की सुबह एक विशाल एवं भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। यह यात्रा नगर खेड़ा से नई अनाज मंडी तक निकाली जाएगी, जिसमें 11 सौ श्रद्धाल महिलायें कलश लेकर शोभा यात्रा मे शामिल होंगा। विशेष बात यह रहेगी कि इस धार्मिक यात्रा में महिलाओं की भी बड़ी संख्या में सहभागिता रहेगी। रविवार को शिव शक्ति इंटरप्राइजेज ग्लोबल में तरावड़ी की विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमे शहर के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। इस बैठक की अध्यक्षता रमेश गुप्ता ने की। बैठक में कथा आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

खबर संक्षेप

आंचल रावल ने यूजीसी नेट विधि परीक्षा उत्तीर्ण की

बापौली। छाजपुर कला की बेटी आंचल रावल ने यूजीसी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा विधि उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। वह गांव के सरपंच एवं बापौली मार्केट कमेटी चेयरमैन राजेंद्र रावल की पुत्री हैं। आंचल ने सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों व परिवार को दिया। ग्रामीणों ने उन्हें बधाई दी।

दो किसानों के ट्यूबवेल से मोनोब्लॉक मोटर चोरी

यमुनानगर। चोरों ने गांव पांजूपुर में दो किसानों के ट्यूबवेल के कमरों के ताले तोड़कर वहां से मोनोब्लॉक मोटर चोरी कर ली। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गांव पांजूपुर निवासी नानक चंद ने सदर यमुनानगर थाना पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि 23 अगस्त को शाम के समय वह खेतों से काम खत्म करके अपने घर वापस आ गए थे। सुबह खेतों पर गए तो उनके खेत में ट्यूबेल के कमरे का लगा ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा हुआ था। जांच करने पर कमरे से मोनोब्लॉक मोटर गायब मिली। इसी दौरान उसे पता चला कि चोरों ने रात के समय ही उसके भाई के ट्यूबवेल के कमरे के दीवार तोड़कर वहां से भी मोटर चोरी की है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर आईबी कालेज में हुआ खेल महोत्सव

वॉलीबॉल मुकाबले में कला प्रथम व विज्ञान संकाय ने पाया द्वितीय स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

आईबी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ.राजेश कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों और स्टाफ के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं करवाई गईं। विद्यार्थियों के लडक़ों के वॉलीबॉल मुकाबले में आट्र्स संकाय प्रथम तथा साइंस संकाय द्वितीय रहा। रस्साकस्सी में आट्र्स संकाय प्रथम और कॉमर्स संकाय द्वितीय रहा। लड़कियों की रस्साकस्सी में एनसीसी टीम प्रथम तथा आट्र्स टीम द्वितीय रही। बैडमिंटन लड़कियों के वर्ग में मानसा प्रथम, रिया द्वितीय और खुशी तृतीय रही। स्टाफ वर्ग के बैडमिंटन में डॉ.नरवीर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पुरुष स्टाफ रस्साकस्सी में टीचिंग टीम विजेता रही। जिसमें डॉ.नरवीर कप्तान, डॉ.जोगेश, सहायक प्रो.मनीष, डॉ.बिजेंदर, रवि, कुलदीप शर्मा और रवि किरण शामिल रहे। समारोह में प्रबंध समिति सदस्य युधिष्ठिर मिगलानी, प्राचार्य डॉ.सतवीर सिंह और उप प्राचार्या डॉ.शशि प्रभा मलिक ने विजेताओं को पदक देकर सम्मानित किया। उन्होंने आयोजन के लिए खेल कमेटी के डॉ.सुनीता, डॉ.राजेश और सहायक प्रो.परमजीत कुंडू को बधाई दी। प्राचार्य डॉ.सतवीर सिंह ने कहा कि खेलों से विद्यार्थियों और स्टाफ में आपसी सौहार्द बढ़ता है तथा चहुंमुखी विकास होता है। इस अवसर पर डॉ.किरण मदान, डॉ.सुनीत शर्मा, डॉ.नीलम, डॉ.पूनम मदान, डॉ.निधान सिंह, प्रो.सोनिया, डॉ.विक्रम कुमार, डॉ.निधि, डॉ.शर्मीला, सहायक प्रो.माधवी, डॉ.प्रवीन कुमार, डॉ.चेतना नरूला, डॉ.निर्मला, डॉ.स्वाति पुनिया, डॉ.हिमांशी, डॉ.अंजलि, डॉ.ज्योति गहलोत और सहायक प्रो.संगीता सहित आट्र्स, कॉमर्स व साइंस संकाय के शिक्षक उपस्थित रहे।

पानीपत। विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करते आयोजक । फोटो: हरिभूमि

आर्य कॉलेज में युवाओं के लिए खेलों का महत्व विषय

पानीपत,। राष्ट्रीय खेल दिवस पर आर्य पीजी कॉलेज की एनएसएस इकाई ने युवाओं के लिए खेलों का महत्व विषय पर व्याख्यान आयोजित किया। मुख्य वक्ता राजनी देवी सहायक प्रोफेसर रहीं। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों डॉ.मनीषा डुडेजा एवं आस्था गुप्ता ने उनका स्वागत किया। राजनी देवी ने कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक एवं सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, सहयोग और सकारात्मक सोच विकसित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को खेलों से जुड़े कैरियर अवसरों की जानकारी देते हुए खेलों में आगे बढने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि 29 अगस्त को महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ खेलों को भी समान महत्व देने का आह्वान किया। वहीं कॉलेज प्राचार्य डॉ.जगदीश गुप्ता ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को खेलों के महत्व तथा खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध योजनाओं और अवसरों की जानकारी देते हैं। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी आस्था गुप्ता एवं पंकज चौधरी ने कहा कि खेल युवाओं को जीत-हार को सकारात्मक रूप से स्वीकार करनाए अनुशासन और चुनौतियों का सामना करना सिखाते हैं। डॉ.मनीषा डुडेजा ने कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक प्रसन्नता, आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण के विकास के लिए आवश्यक हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया।

पानीपत। खिलाड़ी वासू को सम्मानित करते हुए एसडी संस्था के पदाधिकारी ।

एसडी कॉलेज के वासु ने हैमर थ्रो में जीता रजत

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

एसडी पीजी कॉलेज के बीए प्रथम वर्ष के खिलाड़ी वासु ने मदन मोहन मालवीय स्टेडियम प्रयागराज में आयोजित ओपन स्टेट चैंपियनशिप में 61 मीटर हैमर थ्रो फेंककर रजत पदक हासिल किया। इसके बाद उसका चयन अगले माह देहरादून में होने वाले नार्थ जोन टूर्नामेंट के लिए भी हुआ है। वासु इससे पहले भी जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुका है तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुका है। साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाले वासु के पिता बस ड्राइवर और माता गृहणी हैं। कॉलेज पहुंचने पर वासु का स्वागत अनूप कुमार प्रधान एसडी एजुकेशन सोसाइटी, सतीश चंद्रा चेयरमैन एसडीवीएम हुडा, कॉलेज प्रधान दिनेश गोयल, माधव गुप्ता, केशव गुप्ता, प्राचार्य डॉ.अनुपम अरोड़ा, शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्षा डॉ.सुशीला बेनीवाल, प्रो.नीलम, प्रो.पूजा रानी सहित अन्य प्राध्यापकों ने किया। कॉलेज प्रधान दिनेश गोयल ने वासु को बधाई देते हुए कहा कि कॉलेज के युवा किसी से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वासु की उपलब्धि पर कॉलेज को गर्व है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर विद्यार्थियों ने दिखाया खेल कौशल

पानीपत । देशबन्धु गुप्ता राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस पर टेबल टेनिस, शतरंज, पुश-अप व तीन टांगड़ी दौड़ प्रतियोगिताएं हुईं। प्राचार्य प्रो.सुभाष चंद्र जागलान ने कहा कि खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास व टीम भावना विकसित होती है। टेबल टेनिस में शौर्य प्रथम, पुश-अप में सुजल प्रथम, बालिका शतरंज में रीना तथा बालक वर्ग में अंश प्रथम रहे। खेल प्रभारी दलबीर देशवाल ने आयोजन का समन्वय किया। डॉ.रितु नेहरा, डॉ.नरसिंह जांगड़ा, सुनीता चांद, डॉ.शशिकांता, डॉ.सुनील दत्त, डॉ.दलजीत कुमार, डॉ.शिवम धवन व संदीप कुमार ने सहयोग दिया।

सामूहिक नृत्य में सुभाष सदन प्रथम

पानीपत। विजताओं को सम्मानित करते हुए प्रधानाचार्या अमिता चोपड़ा । फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

आईबीएल पब्लिक स्कूल के प्रांगण में सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निर्णायक मंडल की भूमिका अध्यापिका रूबी शर्मा व अध्यापिका प्रियंका ने निभाई। प्रतियोगिता अंर्तसदनीय थी। प्रतियोगिता में कक्षा छठी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सामूहिक नृत्य के विषय जन्माष्टमी तथा महिला सशक्तिकरण पर आधारित थे। इस सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सुभाष सदन विजयी रहा। प्रधानाचार्या अमिता चोपड़ा ने बच्चों की कला की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक नृत्य का मुख्य उद्देश्य छात्रों में टीम वर्क, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देना है। प्रधानाचार्या ने विजेता टीम को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। मंच संचालन छात्रा यशिका और कोमल ने किया गया।

गांव गढ़ी बेसिक में भव्य दंगल पहलवानों ने दिखाया दमखम

बापौली। गढ़ी बेसिक में आयोजित दंगल में हरियाणा व उत्तर प्रदेश के पहलवानों ने दमखम दिखाया। हनी पहलवान पट्टीकल्याणा.भोला पहलवान कैराना की कुश्ती 3100 रुपये, सोहिल राणा माजरा-मोनिश गंदराऊ 1100 रुपये, रितेश दिसाला.क्रिस पानीपत 5100 रुपये तथा कल्लू कैराना.पुनीत पट्टीकल्याणा की कुश्ती 2100 रुपये पर बराबर रही। समाजसेवी सनव्वर खान ने युवाओं को खेलों से जुडऩे का आह्वान किया।

भारत को स्वस्थ, शिक्षित व विकसित बनाने में योगदान दें शिक्षक : रणदीप

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

आर्य बाल भारती विद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विद्यालय प्रधान रणदीप आर्य रहे। आर्य समाज काबड़ी के उप प्रधानओम दत्त आर्य और खेल प्रभारी जगदीश जगदीश चहल विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य डॉ.अशोक आर्य ने की। उपप्राचार्य जगदीश आर्य, योग शिक्षक प्रवीण आर्य, समन्वयक आशा अरोड़ा, पीटीआई दीप्ति, शिक्षक ऋ षिपाल और अनु ने कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यालय के प्रधान रणदीप आर्य ने कहा कि आज विश्व के सभी खेल प्रेमी मेजर ध्यानचंद को उनकी जयंती पर याद कर रहे हैं। केंद्र व प्रदेश सरकार खिलाडिय़ों के सपने साकार करने के पूरे प्रयास कर रही है। उन्होंने अध्यापकों से अनुरोध किया कि वह सभी छात्रों को योग के प्रति और अधिक जागरूक करें।

पानीपत। विजेताओं को पुरस्कृत करते आयोजक । फोटो: हरिभूमि

यमुनानगर। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक में पार्टी में शामिल होने वाले लोगों को पटका पहनाकर स्वागत करते पूर्व जिला अध्यक्ष रमन त्यागी। फोटो: हरिभूमि

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के साथ धक्का-मुक्की शर्मनाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

कांग्रेस के यमुनानगर कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन शहर के जगाधरी वर्कशाप मार्ग स्थित पार्टी के कार्यालय में किया गया। बैठक की अध्यक्षता गत विधानसभा चुनाव में यमुनानगर क्षेत्र से प्रत्याशी रहे एवं पूर्व जिला अध्यक्ष रमन त्यागी ने किया। मौके पर कई लोग कांग्रेस में शामिल हुए। जिनका रमन त्यागी ने पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया।

पूर्व जिला अध्यक्ष रमन त्यागी ने कहा कि विधानसभा में जिस प्रकार पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ धक्का मुक्की की गई। वह शर्मशार करने वाली घटना है। इसे कांग्रेस पार्टी कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।

महेंद्र और संगीता ने नेत्रदान कर दो परिवारों को दिया रोशनी का उपहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

सेक्टर 18 निवासी 64 वर्षीय महेंद्र कुमार और किशनपुरा निवासी 55 वर्षीय संगीता जैन के निधन के बाद परिजनों ने उनके नेत्रदान कराए। महेंद्र कुमार के नेत्र माधव नेत्र बैंक करनाल तथा संगीता जैन के नेत्र अर्पण हॉस्पिटल को प्रदान किए गए। महेंद्र के परिवार ने नेत्रदान के बाद पांच मिनट प्रभु नाम का सिमरन भी किया। संगीता जैन के पति नरेश जैन सुपुत्र साहिल जैन व पुत्री रीना जैन ने नेत्रदान का संकल्प पूरा किया। दोनों परिवारों को जन सेवा दल के सेवादारों का सहयोग मिला। प्रधान कृष्ण मनचंदा, सचिव चमन गुलाटी, कमल गुलाटी व यश बांगा ने परिवारों का आभार जताया और समाज से नेत्रदान के लिए आगे आने की अपील की।

मातृशक्ति उद्यमिता योजना महिलाओं को बनाएगी आत्मनिर्भर : डॉ.हरीश वशिष्ठ

पानीपत । उपायुक्त डॉ.हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि हरियाणा सरकार की मातृशक्ति उद्यमिता योजना के तहत पात्र महिलाओं को स्वरोजगार के लिए रियायती ब्याज पर 5 लाख रुपये तक ऋण दिया जा रहा है। 18 से 60 वर्ष की पात्र महिलाएं ऑटो-ई-रिक्शा, ब्यूटी पार्लर, बुटीक, टेलरिंग, फूड स्टॉल, टिफिन सर्विस आदि व्यवसाय शुरू कर सकती हैं। उन्होंने महिलाओं से योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

एक सितंबर को किशोरियों और युवतियों के लिए हुई संस्कार विकास कार्यशाला

पानीपत। वैदिक परिवार की ओर से 1 सितंबर को आर्य महाविद्यालय सभागार में किशोरियों एवं युवतियों के लिए संस्कार एवं व्यक्तित्व विकास कार्यशाला होगी। वैदिक परिवार के महासचिव डॉ.राजबीर आर्य ने बताया कि मुख्य अतिथि भाजपा हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष डा.अर्चना गुप्ता, अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, विशिष्ट अतिथि महापौर कोमल सैनी व भाजपा नेता हरपाल ढांडा तथा मुख्य वक्ता विनय आर्य होंगे। कार्यशाला में संस्कार, भारतीय संस्कृति, आत्मविश्वास, नेतृत्व व जीवन मूल्यों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा।

श्रीमद्भागवत कथा में ध्रुव चरित्र और नृसिंह अवतार की महिमा सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

पानीपत । श्री सनातन धर्म मंदिर मॉडल टाउन में श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास पंडित श्री राधे राधे महाराज ने सती चरित्र, ध्रुव तपस्या, अजामिल, जड़भरत, प्रह्लाद व नृसिंह अवतार का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि सच्ची भक्ति और भगवन्नाम स्मरण ही कलियुग में मुक्ति का सरल मार्ग है। मंदिर प्रधान तरुण गांधी ने श्रद्धालुओं के लिए वातानुकूलित पंडाल, पेयजल व अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी दी। महाआरती के बाद अटूट लंगर

राष्ट्रीय खेल दिवस पर शतरंज प्रतियोगिताएं

मतलौडा। राजकीय महिला महाविद्यालय मतलौडा में राष्ट्रीय खेल दिवस पर टेबल टेनिस व शतरंज प्रतियोगिताएं हुईं। शुभारंभ प्राचार्य डॉ.जरनैल सहरावत ने किया। शारीरिक शिक्षा शिक्षक रोहित शर्मा ने विद्यार्थियों को खेल के नियम बताए। प्राचार्य ने कहा कि खेल अनुशासन, आत्मविश्वास व नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं।

यात्रा | नशा मुक्ति यात्रा आज पहुंचेगी पानीपत,दर्जनों जगह होगा स्वागत

यात्रा का मकसद युवाओं को जागरूक कर नशे से दूर रहने संदेश देना : वेद पराशर

नशे के कारण हमारे समाज के परिवार तेजी से हो रहे बर्बाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

महामंडलेश्वर 1008 स्वामी राघवेंद्र भारती जी महाराज निरंजनी अखाड़ा की अध्यक्षता एवं अगवाई में एवं दाऊ जी महाराज परमाध्यक्ष श्री अवध धाम मंदिर, पूज्य शंकरानन्द जी महाराज के सानिध्य में रोहतक से पानीपत तक नशा मुक्ति यात्रा का आज 30 अगस्त को पानीपत पहुंचेगी। यहां पर विभिन्न धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक संस्थाओं के सदस्य शहर में विभिन्न स्थानों पर यात्रा का स्वागत करेंगे। यह जानकारी आज सनौली रोड स्थित श्री कांशी गिरी मंदिर में आयोजित पत्रकार वार्ता में विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने देते हुए बताया कि नशा मुक्ति यात्रा का मकसद नागरिकों को जागरूक करके नशे से दूर करना है। इसलिए हमें इस यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेना चाहिए। इस यात्रा से युवा पीढ़ी को एक बड़ा संदेश मिलेगा। नशे के कारण हमारे समाज में बहुत से परिवार बर्बाद हो रहे हैं। पत्रकार वार्ता में स्वामी शंकारानंद जी महाराज, पंडित वेद पाराशर, श्री गौशाला सोसायटी के प्रधान रामनिवास गुप्ता, हरियाणा चैम्बर आफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के चेयरमैन विनोद धमीजा, समाजसेवी गौरव गोयल, प्रधान रमेश माटा, समाजसेवी पुरुषोत्तम शर्मा, संदीप जिंदल एडवोकेट, सरदार एचएस धम्मू, भूपेंद्र सिंह सगु, पार्षद रॉकी गहलोत, प्रीतम गुर्जर, जन सेवा दल के सचिव चमन गुलाटी, डॉक्टर रमेश चुघ, आईसीएस के प्रीमिल, राजू शर्मा, साहब सिंह रंगा, मुकेश बॉस, सुभाष कबीरपंथी आदि मौजूद रहे।

पानीपत। नशा मुक्ति यात्रा की जानकारी देते हुए विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी ।

वेद मंदिर में श्रावणी यज्ञ सम्पन्न

पानीपत। श्रावणी यज्ञ के दौरान भजनों की प्रस्तुति देते पंडित संदीप आर्य । फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

नूरवाला स्थित एवी पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय श्रावणी यज्ञ की प्रथम सभा का उत्साह और उल्लास से वेद मत्रों द्वारा यज्ञ का आरंभ डा.रवीश वैदिक द्वारा कराया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में प्रभु को अपने अंदर ही ढूंढे पर विचार रखे। डॉ.अंजली आर्या ने ऋग्वेद, अथर्ववेद के विशेष मन्त्रों का पाठ किया। पंडित संदीप आर्य द्वारा प्रभु भक्ति के भजनों से भक्तिमय वातावरण बन गया। विशिष्ट अतिथि पत्रकार विनोद पांचाल को वेद मन्दिर सभा द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित अतिथि उषा रानी, दिनेश कुमार, सुनीता सिंगला, सुखजिंद कौर व राजकुमार शर्मा, वेद मंदिर कमेटी प्रधान रामचंद्र, संरक्षिका शशि अग्रवाल, वीरेन्द्र सचदेवा, सुनील अरोड़ा, बलजीता यादव, पवन आर्य प्रिंसिपल, एवी पब्लिक स्कूल राजेंद्र सिंह शास्त्री आदि ने स्वागत किया। मंच संचालन धीरज कपूर व मधु शास्त्री ने किया। मुख्य यजमान ऋ तु आर्या, पूनम शर्मा, ऋषि शर्मा, सन्तोष बजाज बने। विशेष अवसर पर मोहन लाल, आादि रहे।

खबर संक्षेप

योग साधिका का मनाया जन्मदिन

शहजादपुर। भारतीय योग संस्थान परिवार की वरिष्ठ योग साधिका मीनाक्षी वालिया का जन्मदिन शनिवार को अहलूवालिया धर्मशाला में आयोजित प्रातःकालीन योग कक्षा में धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर योग साधकों ने उन्हें भारतीय योग संस्थान की ओर से शुभकामना कार्ड भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। वालिया ने सभी योग साधकों का आभार व्यक्त किया।

बैडमिंटन मिश्रित टीम प्रतियोगिता हुई

शहजादपुर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य रोहित कुमार के मार्गदर्शन में खेल समिति एवं शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा 29 अगस्त 2026 को राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में बैडमिंटन मिश्रित टीम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।यह आयोजन महान भारतीय हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य खेल समिति के संयोजक प्रो.आयुष व समिति के सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, सहयोग एवं टीम भावना का विकास होता है।

स्वरोजगार की बारीकियों से अवगत कराया

शहजादपुर। महारानी पद्मावती राजकीय महिला महाविद्यालय में प्राचार्या डॉ. मीनाक्षी के कुशल मार्गदर्शन में छात्राओं के उद्यमिता कौशल और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक दिवसीय 'पर्सनल ग्रूमिंग क्लासेज' कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। एंटरप्रेन्योरशिप सेल और वुमन सेल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में 'द हेयर स्टेशन, नारायणगढ़' की मुख्य ट्रेनर इतिका सूद ने बतौर विशेषज्ञ शिरकत कर छात्राओं को पर्सनल ग्रूमिंग के आधुनिक गुर सिखाए और इस क्षेत्र में करियर व स्वरोजगार बनाने की बारीकियों से अवगत कराया। कमिटी सदस्य डॉ. आरती सैनी की मुख्य भूमिका में संपन्न हुई।

पूर्व मंत्री असीम गोयल बोले-नशे से दूर रहकर युवा देश को करें मजबूत

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री असीम गोयल नन्यौला ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को किया याद मैराथन से खेल भावना को किया प्रोत्साहित

अंबाला। मेजर ध्यानचंद को पुष्प अर्पित करते पूर्व मंत्री व मैराथन में हिस्सा लेते साइकिल सवार। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिला खेल विभाग एवं प्रशासन के सौजन्य से शनिवार को अंबाला शहर के पुलिस लाइन ग्राउंड के नजदीक साइक्लोथन मैराथन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री असीम गोयल नन्यौला ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस मौके पर उनके साथ भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, विधानसभा संयोजक रितेश गोयल मौजूद रहे। इससे पहले उनका यहां पहुंचने पर एसडीएम कनिका गोयल ने मुख्य अतिथि व भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा को पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन किया।

सभी को स्वस्थ, फिट और जागरूक भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश भी दिया

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि व अन्य ने मेजर ध्यानचंद के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन भी किया। इस मौके पर पूर्व मंत्री असीम गोयल ने साईक्लोथोन मैराथन में शामिल प्रतिभागियों व अन्य को संबोधित करते हुए कहा कि मेजर ध्यानचंद का जीवन हम सभी को खेल भावना, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। हॉकी खेल में उन्होंने महारात हासिल की हुई थी और उनकी इस प्रतिभा से सभी परिचित हैं। उन्होंने इस मौके पर राष्ट्रीय खेल दिवस की भी सभी को बधाई देते हुए सभी को स्वस्थ, फिट और जागरूक भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा खिलाडियों को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर प्रदान किया जा रहे हैं और खिलाडियों ने भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए अनेकों पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है।

स्वस्थ जीवन के लिए हमें फिट रहना अति आवश्यकः गोयल

उन्होंने इस अवसर पर नशे से दूर रहने बारे भी उपस्थित सभी को शपथ भी दिलवाई और कहा कि हमें स्वयं नशे से दूर रहना है। दूसरों को भी नशे से दूर रहने बारे प्रेरित करना है। खेल विभाग के सौजन्य से आज यहां पर साईक्लोथोन मैराथन का आयोजन करवाया गया है, उसकी सराहना की और कहा कि इसमें खिलाडियों के साथ-साथ अन्य ने आगे आकर इसका सफल आयोजन करवाया है। साईक्लोथोन मैराथन में मुख्य अतिथि असीम गोयल व भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा के साथ-साथ विधानसभा संयोजक रितेश गोयल ने स्वयं शामिल होकर साईकल चलाकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए हमें फीट रहना अति आवश्यक है। इस अवसर पर एसडीएम कनिका गोयल ने मुख्य अतिथि व अन्य को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन भी किया। जिला खेल अधिकारी राम स्वरूप ने बताया कि यह मैराथन पुलिस लाइन से शुरू होकर ग्लैक्सी चौक, सेशन हाउस, एसपी रेजिडेंस से होते हुए शौर्य चौक होकर वापिस पुलिस लाइन में आकर संपन्न हुई।इस अवसर पर मार्केट कमेटी के चेयरमैन जसविंद्र उगाड़ा, राजेंद्र जिंदू के साथ-साथ अन्य सम्मानित साथीगण उपस्थित रहे।

बराड़ा। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागी स्टूडेंट्स। फोटो : हरिभूमि

छात्र खेल को बनाएं अपने जीवन का नियमित हिस्सा

बराड़ा। एमपीएन कॉलेज में राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को खेलों और योग के महत्व से अवगत करवाते हुए नियमित रूप से शारीरिक गतिविधियों को दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया। शारीरिक शिक्षा विभाग के शिक्षक इकबाल सिंह ने विद्यार्थियों को योग के विभिन्न लाभों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होने के साथ-साथ मानसिक शांति, तनाव में कमी और एकाग्रता बढ़ाने में भी मदद मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न योगासनों का अभ्यास करवाते हुए उनके सही तरीके और महत्व के बारे में भी बताया। इस अवसर पर कार्यकारी प्राचार्य डॉ. शिव कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल और योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। इनके माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और स्वस्थ जीवनशैली का विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप से खेल गतिविधियों एवं योगाभ्यास में भाग लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए खेल एवं योग को अपनी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान कॉलेज के सभी शिक्षक उपस्थित रहे और उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन के लिए खेलों तथा योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

खेल उत्सव में छात्रों ने दिखाई शारीरिक फिटनेस

- एसए जैन सीनियर मॉडल स्कूल में राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित हुई कई स्पर्धाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला शहर के एसए जैन सीनियर मॉडल स्कूल में शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस बहुत उत्साह, ऊर्जा और खेल भावना के साथ मनाया। स्कूल के टेनिस कोर्ट में 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए आयोजित यह कार्यक्रम 'हॉकी के जादूगर' कहे जाने वाले महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को एक शानदार श्रद्धांजलि थी। अनुशासन, समर्पण और खेल में बेहतरीन प्रदर्शन की उनकी विरासत आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करती है। इस उत्सव में जानकारीपूर्ण पहलू जोड़ते हुए, 7वीं कक्षा के छात्रों के लिए मेजर ध्यानचंद के जीवन और उपलब्धियों पर एक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। छात्रों ने बहुत रुचि और उत्साह के साथ डॉक्यूमेंट्री देखी और उनके शानदार खेल सफर, समर्पण और भारतीय हॉकी में उनके योगदान के बारे में महत्वपूर्ण बातें जानीं।

अंबाला। खेल उत्सव का शुभारंभ करते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

प्राचार्या सराहना की

इस उत्सव में शारीरिक फिटनेस और सांस्कृतिक संरक्षण का अनूठा संगम देखने को मिला, जिसमें चार 'हेरिटेज कॉर्नर' और सात देसी (पारंपरिक) खेल शामिल थे। इन पारंपरिक गतिविधियों ने छात्रों को भारत की समृद्ध खेल विरासत से जुड़ने का एक दिलचस्प मंच और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा जैसे जरूरी जीवन कौशल भी विकसित किए। प्रबंधक समिति के सदस्यों प्रधान रजत जैन, उपाध्यक्ष डॉ. विनीत जैन, सचिव हितेश जैन, मैनेजर रितेश जैन,सचिव हितेश जैन, कोषाध्यक्ष सुनील जैन, मैनेजिंग कमेटी के सलाहकार रविकांत जैन और प्राचार्या डॉ. रेनू गहलावत ने खूब सराहना की। परंपरा, फिटनेस, जागरूकता और मनोरंजन को मिलाकर एक यादगार उत्सव आयोजित करने के लिए स्कूल की प्रशंसा की।

'स्पोर्ट्स फॉर ऑल' पोस्टर प्रतियोगिता में राधिका ने जीता अव्वल पुरस्कार

- राष्ट्रीय खेल दिवस के पर आचार्य रघुवीर पीजी कॉलेज में कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आचार्य रघुवीर गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में 'स्पोर्ट्स फॉर ऑल' पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शारीरिक शिक्षा विभाग की तरफ से आयोजित इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया। प्रिंसिपल डॉ देशराज बाजवा ने इस आयोजन के लिए विभाग बधाई दी। उन्होंने छात्रों को जीवन में एक खेल अवश्य अपनाने के लिए प्रेरित किया। शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो मुन्ना चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉ. गुरविंदर सिंह, डॉ. रणदीप सिंह और व रवि बौद्ध ने निभाई। प्रतियोगिता में राधिका ने प्रथम, नगिता ने दूसरा व सुहानी तीसरा स्थान हासिल किया। वंश व शिवम को सांत्वना पुरस्कार दिया । कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को खेलों को जीवन का हिस्सा बनाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

अंबाला। विजेता छात्रा को सम्मानित करते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

ईसाई बनकर लिया अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम से लोन

- ओबीसी होने के बावजूद फर्जी एससी सर्टिफिकेट के जरिए एक दर्जन से ज्यादा लोगों ने सरकार को लगाया चूना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला छावनी में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सरकारी ऋण हड़पने का एक बड़ा मामला सामने आया है। हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम (पंचकूला) के अधिकारियों की शिकायत पर पुलिस ने महेश नगर थाने में निगम के तत्कालीन जिला प्रबंधक चंद्र प्रकाश और 8 लाभार्थियों के खिलाफ धोखाधड़ी व जाली दस्तावेज तैयार करने की गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।पंचकूला स्थित 'हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम' के अधीक्षक योगेश कुमार ने पुलिस अधीक्षक के माध्यम से महेश नगर थाना में शिकायत दर्ज कराई है। निगम द्वारा हरियाणा के अनुसूचित जाति के लोगों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए ऋण दिया जाता है। शिकायत के अनुसार जिला कार्यालय में वर्ष 2020, 2021 और 2022 के दौरान विभिन्न योजनाओं के तहत कुछ व्यक्तियों ने अनुसूचित जाति की पात्रता के आधार पर गलत और फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत करके ऋण की राशि हासिल कर ली। फर्जी दस्तावेज और ओबीसी-सामान्य वर्ग द्वारा लाभ उठाने का मामला निगम की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि कुल 8 लाभार्थियों ने जाली या छेड़छाड़ किए गए जाति प्रमाण पत्र लगाकर लाखों रुपये का लोन लिया।

प्रमाण पत्र में छेड़छाड़

अंबाला छावनी के डीआरएम ऑफिस के पास चंद्रपुरी कॉलोनी के रहने वाले दलीप कुमार (60,000 रुपये), विवेक कुमार (60,000 रुपये) और नवीन कुमार (60,000 रुपये) पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से संबंध रखते हैं लेकिन इन आरोपियों ने एससी का फर्जी प्रमाण पत्र लगाकर लोन ले लिया। बीडी फ्लोर के पीछे, लक्ष्मी नगर की रहने वाली अनुपमा (60,000 रुपये), कच्चा बाजार की पूनम (75,000 रुपये), सुंदर नगर की तारा देवी (75,000 रुपये) और शालीमार बाग की मीनाक्षी (75,000 रुपये) के अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र में छेड़छाड़ पाई गई। पटेल नगर के जतिन (1,00,000 रुपये) ब्राह्मण जाति से संबंध रखता है लेकिन उसने अल्पसंख्यक योजना के तहत खुद को ईसाई बताकर धोखाधड़ी से ऋण लिया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि इस फर्जीवाड़े में तत्कालीन जिला प्रबंधक चंद्र प्रकाश की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

नारकोटिक्स डॉग की मदद से टीम ने संवेदनशील स्थानों की गहन जांच की

- इंस्पेक्टर मांगे राम के नेतृत्व में एचएसएनसीबी टीम की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पंचकूला

नशे के खिलाफ हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एचएसएनसीबी) ने पंचकूला में सघन अभियान चलाते हुए नशे के चिन्हित हॉटस्पॉट पर अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। इंस्पेक्टर मांगे राम के नेतृत्व में एचएसएनसीबी की टीम ने नार्को डॉग 'टैंगो' के साथ पंचकूला और कालका-पिंजौर क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील इलाकों में गहन तलाशी एवं चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान राजीव कॉलोनी सेक्टर-17, मानकपुर-नानक चंद पिंजौर, खरड़ मंगोली, थाना सेक्टर-7 क्षेत्र, वासुदेवपुरा-लोहगढ़, बसोला, जोहलूवाल, लेबर चौक सेक्टर-17, कुंडी थाना सेक्टर-20, बंगाला बस्ती, वासुदेवपुरा तथा रामबाग कालका समेत कई स्थानों पर टीम ने संदिग्ध क्षेत्रों की बारीकी से जांच की।

'टैंगो' ने संभाली मोर्चे पर कमान

तलाशी अभियान की खास बात रही एचएसएनसीबी का नार्को डॉग 'टैंगो'। प्रशिक्षित नारकोटिक्स डॉग की मदद से टीम ने संवेदनशील एवं संदिग्ध स्थानों की गहन जांच की।

जागरूकता का संदेश

एचएसएनसीबी ने अभियान को केवल तलाशी तक सीमित नहीं रखा। टीम ने विभिन्न स्थानों पर स्थानीय लोगों और युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक किया और नशे के सेवन एवं तस्करी से होने वाले सामाजिक नुकसान की जानकारी दी। इसी कड़ी में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बसोला में विशेष नशा-विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें करीब 150–160 छात्रों ने भाग लिया।

अभियान का उद्देश्य नशे की तस्करी एवं अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के साथ-साथ नशा तस्करों में कानून का भय और आमजन में सुरक्षा का विश्वास पैदा करना रहा।

मेडिकल लीव और कैशलेस मेडिकल सुविधा देने की मांग

बराड़ा। हरियाणा स्कूल लेक्चरर्स एसोसिएशन ने प्रदेश के शिक्षकों के लिए नियमित मेडिकल लीव का प्रावधान लागू करने और कैशलेस मेडिकल सुविधा उपलब्ध करवाने की मांग उठाई है। एसोसिएशन के राज्य सचिव संदीप खोखर ने मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री से मांग की है कि गंभीर बीमारी की स्थिति में शिक्षकों को इलाज करवाने के लिए बिना वेतन अवकाश लेने को मजबूर न किया जाए। संदीप खोखर ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में यदि कोई शिक्षक गंभीर रूप से बीमार हो जाता है तो कई बार उसे बीमारी की हालत में भी विद्यालय पहुंचना पड़ता है। आकस्मिक अवकाश समाप्त होने के बाद उसके सामने बिना वेतन अवकाश लेने की स्थिति पैदा हो जाती है।

पूर्व मंत्री ने स्वच्छता सेनानी बहनों से बंधवाई राखियां

- नगर निगम में स्वच्छता सेनानी बहनों ने बांधा रक्षासूत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और स्नेह को समर्पित दिल छू लेने वाला नजारा देखने को मिला। पूर्व मंत्री असीम गोयल रक्षाबंधन के अवसर पर सुबह अंबाला शहर नगर निगम और नागरिक अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने स्वच्छता सेनानी बहनों तथा अस्पताल में कार्यरत महिला कर्मचारियों से राखी बंधवाई। पूर्व मंत्री असीम गोयल के नगर निगम पहुंचने पर महापौर अक्षिता सैनी और नगर निगम के एएमसी दीपक सूरा ने उत्साहपूर्वक उनका स्वागत किया।बहनों ने असीम गोयल की कलाई पर राखी बांधकर उनके सुखद, स्वस्थ एवं सफल जीवन की कामना करते हुए आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर भाई-बहन के स्नेह और आत्मीयता का भाव देखने को मिला। गोयल ने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक त्यौहार नहीं बल्कि भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास, सम्मान और जिम्मेदारी का पवित्र रिश्ता है। कहा कि समाज की स्वच्छता और व्यवस्था को बेहतर बनाने में स्वच्छता सेनानी बहनों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। वे अपने परिवार की जिम्मेदारियों के साथ-साथ शहर को स्वच्छ रखने के लिए भी निरंतर मेहनत करती हैं।

गुरुकुल कुरुक्षेत्र में अंतर-सदनीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का चयन प्रत्येक सदन से किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

गुरुकुल में अंतर-सदनीय सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों के ज्ञान, आत्मविश्वास तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देना था। इस प्रतियोगिता में सम्पूर्ण गुरुकुल के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सर्वप्रथम सभी विद्यार्थियों के लिए लिखित प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की गई। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का चयन प्रत्येक सदन से किया गया, जिन्होंने आगे अंतर-सदनीय प्रश्नोत्तरी में अपने-अपने सदन का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद कुशाग्र, तेजस्वी, मेधावी और प्रगति सदन के चयनित विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अंतिम चरण में भाग लिया। प्रश्नोत्तरी में सामाजिक विज्ञान, समसामयिक घटनाएँ, खेल, संक्षिप्त रूप तथा रैपिड फायर जैसे विभिन्न चरण शामिल थे। विद्यार्थियों ने सामान्य ज्ञान, त्वरित सोच, सूझ-बूझ और टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कुरुक्षेत्र। विजेताओं को सम्मानित करते आयोजक।

ये रहे विजेता

जूनियर विंग में कुशाग्र सदन प्रथम, तेजस्वी सदन द्वितीय, मेधावी सदन तृतीय, प्रगति सदन चतुर्थ रहा। वही सीनियर विंग में कुशाग्र सदन प्रथम, तेजस्वी सदन द्वितीय, मेधावी सदन तृतीय व प्रगति सदन चतुर्थ स्थान पर रहा। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए निदेशक ने उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की तथा कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में ज्ञान, आत्मविश्वास, रचनात्मकता, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने गतिविधि प्रभारी सुनील आहूजा की कुशल व्यवस्था, सुनियोजित प्रबंधन और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए किए गए समर्पित प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने विजेता टीमों को बधाई दी तथा सभी प्रतिभागियों के सराहनीय प्रदर्शन की प्रशंसा की। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों को अपने ज्ञान का विस्तार करने तथा शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करते हुए हुआ।

कार सवार युवकों ने किया तेजधार हथियारों से हमला

अंबाला। एक ठेकेदार और उनके साथियों पर आधा दर्जन नकाबपोश लोगों ने हमला कर दिया। वारदात नडियाली के पास हुई। यहां 6-7 नकाबपोश बदमाशों ने घायलों का ऑटो घेरकर लोहे की रॉड, हॉकी और डंडों से हमला किया। इस हमले में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस ने दो नामजद सहित 6-7 हमलावरों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव बंबा के रहने वाले निर्मल सिंह ने बताया कि वह मैरिज पैलेस में वेटर ठेकेदार हैं। सुबह करीब 7:30 बजे अपने ऑटो में गुरुमुख, गुलशन, रमेश, अमरीक और सरजीत के साथ लालड़ू पैलेस जा रहे थे। गांव नडियाली के पास सड़क पर एक मिट्टी लगी कार खड़ी थी। उसमें से 6-7 युवक लोहे की रॉड, हॉकी और लाठियां लेकर निकले। उन्होंने ऑटो के सामने वाले शीशे पर ईंट मारी, जिससे शीशा टूटकर निर्मल के चेहरे पर लगा।

विशेष: जन्माष्टमी, 4 सितंबर

हमारे आराध्य-पथप्रदर्शक पूर्णावतार श्रीकृष्ण

जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव नहीं, एक स्मरण है कि कान्हा की हर लीला, हर प्रसंग हमें आचरण के वो पाठ सिखाते हैं, जो आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके युग में थे। यही वजह है कि युगों बाद भी पूर्णावतार श्रीकृष्ण हमारे लिए आराध्य भगवान ही नहीं, शिक्षक की तरह जीवन के पथप्रदर्शक भी बने हुए हैं।

आवरण कथा
यामिनी रामपल्लीवार

भगवान श्रीकृष्ण को हम पूजते हैं, यह सत्य है। मंदिरों में उनकी प्रतिमा सजती है, जन्माष्टमी पर घर-घर दीप जलते हैं और भजनों में उनका नाम गूंजता है। पर यदि कृष्ण केवल पूजा तक सीमित रह जाएं, तो शायद हमने उन्हें आधा ही जाना। उनका अवतारी जीवन कोई कथा-मात्र नहीं, बल्कि ऐसा दर्पण है, जिसमें झांककर हम अपने आचरण को तराश सकते हैं। वे केवल आराध्य नहीं, आचार्य सदृश पथप्रदर्शक भी हैं। आज की दुनिया में हमारे सामने कुरुक्षेत्र जैसा कोई युद्ध नहीं है, फिर भी हमारे भीतर न जाने कितने युद्ध चल रहे हैं! रिश्तों में अविश्वास है, सफलता की होड़ है, अकेलापन है, विफल होने का डर है और हर समय दूसरों से अपनी तुलना करते रहने की बेचैनी है। ऐसे समय में श्रीकृष्ण को केवल मंदिर में पूजने की नहीं, उनके गुणों को आत्मसात करने की भी जरूरत है।

सच्ची मित्रता की मिसाल: सुदामा और श्रीकृष्ण की मित्रता आज भी मित्रता का सबसे सुंदर उदाहरण है। एक ओर द्वारिकाधीश, दूसरी ओर अभाव में जीवन बिताता उनका बालसखा। जब सुदामा संकोच में लिपटे, साधारण वस्त्र पहने और मुट्ठी भर चिवड़ा लेकर द्वारका पहुंचे, तो श्रीकृष्ण ने अपने मित्र को राजसी औपचारिकताओं के पीछे नहीं छिपने दिया। वे आगे बढ़े, उन्हें गले लगाया और उनके लाए छोटे-से उपहार को उसी प्रेम से स्वीकार किया, जैसे वह कोई अनमोल भेंट हो। न वहां धन का भेद था, न पद का अहंकार। सच्ची मित्रता समय और परिस्थिति की मोहताज नहीं होती। वह यह नहीं पूछती कि आज तुम कितने सफल हो, बल्कि यह याद रखती है कि तुम कभी मेरे अपने थे। आज जब दोस्ती भी कई बार सुविधा, हैसियत और सामाजिक दायरे से तय होती है, श्रीकृष्ण का जीवन एक सवाल करता है कि क्या हमारे पास ऐसा मित्र है, जिसके सामने हमें अपनी सफलता साबित करने की जरूरत नहीं पड़ती? और क्या हम किसी के लिए ऐसे मित्र हैं?

मित्रता का दूसरा रूप भी: अर्जुन के साथ श्रीकृष्ण की मित्रता इसका दूसरा रूप दिखाती है। यहां वह मित्र भी हैं, सारथी भी और मार्गदर्शक भी। कुरुक्षेत्र में अर्जुन मोह और दुविधा से घिर गए। श्रीकृष्ण ने उनकी जगह निर्णय नहीं लिया। उन्होंने उनके भीतर के भ्रम को समझा, प्रश्नों का उत्तर दिया और अंततः निर्णय लेने की शक्ति अर्जुन के भीतर ही जगाई। आज के जीवन में भी सच्चा मित्र वही है, जो केवल हमारी हां में हां न मिलाए। जब हम भ्रमित हों, तब सही बात कहने का साहस रखे और फिर निर्णय लेने की स्वतंत्रता भी हमें दे।

स्त्री सम्मान के रक्षक: द्रौपदी के अपमान का प्रसंग महाभारत का सबसे पीड़ादायक प्रसंग है। भरी सभा में जब उसकी गरिमा पर आघात हुआ और वह असहाय होकर सहायता की पुकार करती रही, तब श्रीकृष्ण उसके भरोसे का केंद्र बने। पर इस प्रसंग की सबसे बड़ी सीख केवल चमत्कार में नहीं, उस प्रश्न में है जो हमसे पूछता है कि जब किसी स्त्री के सम्मान पर आंच आए, तब हम कहां खड़े होते हैं? श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि सामर्थ्य का अर्थ केवल स्वयं को सुरक्षित रखना नहीं, बल्कि जरूरत के समय किसी दूसरे की गरिमा की रक्षा के लिए खड़ा होना भी है। आज स्त्री-सम्मान की बातें बहुत होती हैं। लेकिन सम्मान केवल अच्छे-बड़े शब्दों से नहीं आता। वह हमारे व्यवहार, हमारी दृष्टि और उस समय लिए गए निर्णयों में दिखाई देता है, जब किसी के साथ अन्याय हो रहा हो। श्रीकृष्ण का यह रूप हमें संवेदनशील होने के साथ साहसी होना भी सिखाता है।

समर्थ होकर भी विनम्र: श्रीकृष्ण के पास अपार सामर्थ्य था, फिर भी उन्होंने महाभारत के युद्ध में शस्त्र न उठाने का निर्णय लिया और अर्जुन के सारथी बने। एक योद्धा का सारथी बनना किसी शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि अपनी भूमिका को अहंकार से ऊपर रखने का उदाहरण था। आज की दुनिया में सफलता के साथ अहंकार बहुत आसानी से चला आता है। पद बदलता है तो व्यवहार बदल जाता है, कमाई बढ़ती है तो पुराने रिश्ते छोटे लगने लगते हैं। श्रीकृष्ण इसके ठीक उलट खड़े दिखाई देते हैं। वे सिखाते हैं कि ऊंचाई का असली अर्थ ऊपर उठना नहीं, ऊपर उठकर भी सहज बने रहना है।

हर परिस्थिति में संतुलन: श्रीकृष्ण का जीवन संघर्षों से भरा था। जन्म कारागार में हुआ, बाल्यकाल में अनेक संकट आए, मथुरा छोड़कर द्वारका बसानी पड़ी और अंततः अपने ही वंश के विनाश का साक्षी बनना पड़ा। फिर भी उनके व्यक्तित्व में एक अद्भुत संतुलन दिखाई देता है। उनकी मुस्कान समस्याओं से अनजान व्यक्ति की मुस्कान नहीं थी। वह उस व्यक्ति की मुस्कान थी, जो जानता था कि परिस्थितियां हमेशा उसके मन के अनुसार नहीं चलेंगी, फिर भी वह अपना कर्तव्य निभाता रहेगा। गीता में श्रीकृष्ण-अर्जुन को सुख-दुःख, लाभ-हानि और जय-पराजय में संतुलित रहने की बात कहते हैं। यह केवल उपदेश नहीं था। उन्होंने स्वयं अपने जीवन में परिस्थितियों के बीच संतुलन साधा। आज जब एक विफलता से हमें अपना पूरा जीवन निरर्थक लगने लगता है, तब श्रीकृष्ण का यह पाठ बेहद प्रासंगिक हो जाता है कि जीवन में जब सब कुछ अपने अनुसार न हो, तब भी अपना संतुलन बनाए रखना चाहिए।

श्रीकृष्ण का लौकिक जीवन इसलिए कालजयी है, क्योंकि वह हमें केवल यह नहीं बताता कि ईश्वर कैसा हो सकता है, बल्कि यह भी सिखाता है कि मनुष्य भीतर से कितना बेहतर मनुष्य बनने की क्षमता रखता है।

विशेष: शिक्षक दिवस, 5 सितंबर

भले ही आज दुनिया भर के हर विषय की जानकारी गूगल और एआई के जरिए एक क्लिक पर उपलब्ध है। लेकिन बेहतर मनुष्य बनने के लिए जरूरी सैद्धांतिक, नैतिक और व्यावहारिक ज्ञान शिक्षक ही हमें दे सकता है। तकनीकी क्रांति के दौर में भी शिक्षक की भूमिका कम नहीं हुई है।

गुरुकुल से गूगल-एआई तक बरकरार है शिक्षक की महत्ता

बदलाव / लोकमित्र गौतम

एक समय था, जब ज्ञान प्राप्त करने का अर्थ किसी गुरु के सान्निध्य में बैठकर जीवन को समझना होता था। शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती थी बल्कि वह संस्कार, अनुशासन, विवेक और चरित्र निर्माण का माध्यम भी थी। भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा स्थान दिया गया है, क्योंकि वह अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाने वाला मार्गदर्शक होता है। लेकिन ये सब पुरानी बातें हैं। आज 21वीं सदी में दुनिया बदल चुकी है। ज्ञान हमारी हथेली पर मौजूद है। मोबाइल फोन में समा गया है। गूगल के माध्यम से हम मिनटों में ही सैकड़ों सवालों के उत्तर दे सकते हैं और अब तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बदौलत दुनिया के जटिल से जटिल सवाल का भी सेकेंडों में उत्तर प्रस्तुत कर सकते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या तकनीक के इस युग में गुरु यानी शिक्षक की भूमिका बदल गई है या फिर उसका महत्व पहले से अधिक बढ़ गया है?

ज्ञान कम-जानकारियां बेशुमार: वास्तव में आज तकनीक ने ज्ञान तक हमारी पहुंच बेहद आसान कर दी है। पहले किसी विषय को समझने के लिए पुस्तकालयों की धूलभरी अलमारियां खंगालनी पड़ती थीं। जबकि आज दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के दुर्लभ व्याख्यान, शोधपत्र और पाठ्यक्रम महज कुछ क्लिक की दूरी पर उपलब्ध हैं। आज हम किसी भी विषय पर वीडियो देख सकते हैं, चाहे छात्र हों या न हों। वास्तव में इस परिवर्तन ने शिक्षा को बेहद लोकतांत्रिक बनाया है। अब गुणवत्तापूर्ण जानकारी केवल बड़े शहरों या प्रतिष्ठित संस्थानों तक सीमित नहीं है। लेकिन एक महत्वपूर्ण अंतर भी पैदा हुआ है। आज जानकारी और ज्ञान एक-दूसरे के पर्याय नहीं रहे। जानकारियां सिर्फ तथ्यों का संग्रह है, जबकि ज्ञान उन तथ्यों को सही संदर्भ में समझने और उनका विवेकपूर्ण उपयोग करने का माध्यम है। गूगल यह बताता है कि कोई निर्णय कैसे लिया जा सकता है? एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे सामने किसी विषय का सार प्रस्तुत कर सकती है। लेकिन वह हमें जीवन के अनुभव, संवेदना और मानवीय मूल्यों का स्थान नहीं ले सकती।

भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा: भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि शिक्षक केवल पाठ नहीं पढ़ाता बल्कि व्यक्तित्व का निर्माण भी करता है। महर्षि वेदव्यास, आचार्य चाणक्य, गुरु वशिष्ठ, गुरु द्रोणाचार्य से लेकर आधुनिक काल में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे अनेक शिक्षकों ने सिर्फ ज्ञान भर नहीं दिया बल्कि अपने शिष्यों में दृष्टि, आत्मविश्वास और उत्तरदायित्व का भाव भी विकसित किया है, जो किसी भी मशीन या सर्च इंजन के बस में नहीं है।

बदल गई शिक्षक की भूमिका: आज के समय में शिक्षक की भूमिका काफी हद तक बदल गई है, लेकिन समाप्त नहीं हुई। पहले शिक्षक ज्ञान का मुख्य स्रोत होता था, अब वह सिर्फ ज्ञान का मार्गदर्शक बनता जा रहा है। पहले छात्र उत्तर जानने के लिए शिक्षक पर निर्भर थे, आज यह काम तो इंटरनेट भी कर देता है। लेकिन सही उत्तर की पहचान करना, उसकी विश्वसनीयता को परखना, विभिन्न विचारों की तुलना करना और उनका विवेकपूर्ण उपयोग करना, अभी भी यह सब भूमिकाएं शिक्षक के पास ही हैं। आज शिक्षक की जिम्मेदारी केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं है बल्कि विद्यार्थियों से प्रश्न पूछने, तर्क करने और स्वतंत्र सोच विकसित करने की क्षमता भी पैदा करना है।

और महत्वपूर्ण हो गई भूमिका: वास्तव में एआई या कोई भी तकनीक चाहे जितनी उन्नत हो, लेकिन है तो एक तकनीक ही। यह शिक्षक को स्थानापन्न नहीं कर पाएगी। एआई के बावजूद शिक्षक का काम रचनात्मक उपयोग, पहले से कहीं ज्यादा जरूरी बना रहेगा। एआई के बावजूद शिक्षक का काम शिक्षा को अधिक रोचक बनाना बना रहेगा और एआई के बावजूद शिक्षक व्यक्तिगत और प्रभावी बना रहेगा, यानी एआई हर किसी को एक जैसी सहूलियत नहीं दे सकता। जो एआई के उपयोग में माहिर नहीं है, उन्हें अभी-भी ज्ञान, जानकारियां और विश्लेषण के लिए शिक्षक की तरफ ही देखना होगा। शिक्षक दिवस के अवसर पर हमें यह भी समझना चाहिए कि गुरु का काम केवल सूचना देना भर नहीं होता। वह जीवन को दिशा देता है।

दोहे
राजेंद्र श्रीवास्तव

बरस रहे घनघोर

कल जाने क्या कह गए, इन मेघों से मोर।
आज भोर से ही यहां, बरस रहे घनघोर।।
बरसे मेघा अनवरत, भरे तलैया-ताल।
उड़े पवन के साथ फिर, बेचारे कंगाल।।
इस रिमझिम बरसात में, भीगी-भीगी भोर।
शहरों में सड़कें धुलीं, वन में नाचे मोर।।
सांझ ढले सिर पर पड़ी, शीतल सुखद फुहार।
झन-झन-झन झंकृत हुए, मन-वीणा के तार।।
पावस रितु में छा गए, नभ पर घन भरपूर।
अभिनंदन चातक करें, स्वागत-नृत्य मयूर।।
सुनी पपीहा की कहीं, पिव-पिव करुण पुकार।
आस बंधाने आ गई, यह पावसी फुहार।।
माटी की मनुहार पर, मेघ गया मन हार।
रुककर बरसाने लगा, प्यार और जल-धार।।

लघुकथाएं

जीवन सारथी

अपनी सहेली दिव्या से पायल ने दुविधा प्रकट करते हुए कहा, 'मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि मैं यह शादी करूं या नहीं?' 'क्यों क्या हुआ, अच्छे-खासे घर का बढ़िया कमाने वाला हैंडसम बंदा है।' दिव्या ने समझाया। 'असल में जब से सगाई हुई है, तब से हम दोनों की नियमित बात होने लगी है।' 'हां तो यह तो और अच्छी बात है। मैरिज के पहले ही एक-दूसरे को समझने का मौका मिल रहा है।' दिव्या ने उसकी आशंका को कम करना चाहा। 'यहीं से तो मुश्किल शुरू हुई है।

बात-बात पर वह गुस्सा करने लगते हैं। मैं उनसे कहती कुछ हूं और वह उस बात का कुछ और (मनमाना) अर्थ निकालकर मुझ पर ऐसे दोष मढ़ते हैं कि मैं अपराधबोध से ग्रसित हो जाऊं। बात-बात पर मुझसे झूठ भी बोलते हैं। समझ नहीं आ रहा है कि इस रिश्ते के लिए न करूं तो कैसे? डर है इससे सब घर वाले नाराज हो जाएंगे।' पायल ने चिंतित होते हुए सारी बात बताई। 'पागल हो गई हो तुम। जब तुम्हारा भावी साथी अपने व्यवहार से रेड सिग्नल दे रहा है, तब क्यों सबकी खुशी के लिए खुद को झोंक देने को तुली हुई हो? अगर तुमने अभी दृढ़ता से मनचाहा निर्णय नहीं लिया तो वह शख्स, तुम्हारा जीवनसाथी नहीं जीवन सारथी बन जाएगा। अब डिसाइड तुमको करना है कि तुम्हें जीवनसाथी चाहिए या जीवन सारथी।' दिव्या ने स्पष्ट तौर पर उसे समझाया। उसकी इस समझाइश से पायल की आंखों में दृढ़ निर्णय लेने की चमक साफ नजर आने लगी।

-आरती आस्था

ओ हीरो!

राहुल की मोटरसाइकिल का टायर अचानक रास्ते में पंक्चर हो गया। वह पास की एक छोटी-सी ऑटो रिपेयरिंग शॉप पर पहुंचा। वहां लगभग चालीस वर्ष का एक कारीगर बड़ी तन्मयता से अपना काम कर रहा था। चलते समय उसके एक पैर में हल्की-सी लचक साफ दिखाई दे रही थी। राहुल की आदत थी कि वह हर किसी को हंसते हुए 'क्या हाल हैं, हीरो!' या 'कैसे हो, हैंडसम!' कहकर संबोधित करता था। जैसे ही उसने मुस्कराकर कहा, 'क्यों हीरो, मेरी बाइक का टायर ठीक कर दोगे?' इतना सुनना था कि कारीगर का चेहरा उतर गया। उसने धीमे स्वर में कहा, 'साहब, मजाक मत कीजिए ऊपर वाले ने तो मुझे हीरो बनने लायक छोड़ा ही कहां है?' राहुल उसकी पीड़ा समझ गया। उसने तुरंत गंभीर होकर कहा, 'भैया, मैं मजाक नहीं कर रहा। मेरे लिए हीरो वह होता है जो अपने हुनर और मेहनत से लोगों की मुश्किल आसान बनाता है। आपका काम देख रहा हूं। इतनी सफाई और लगन से कम ही लोग करते हैं।' कारीगर ने उसकी ओर गौर से देखा। चेहरे पर जमी संकोच की परत धीरे-धीरे पिघलने लगी। उसने पूरी तन्मयता से टायर का पंक्चर ठीक कर दिया। राहुल इस बीच उसकी सधी हुई अंगुलियों और उसके काम की बार-बार तारीफ करता रहा। बाइक में टायर फिट होने पर पेमेंट करते हुए राहुल ने उसके कंधे पर हाथ फेरते हुए कहा, 'मानना पड़ेगा कि कमाल का काम है तुम्हारा।' कारीगर की आंखों में अब चमक थी। पैसे लेते हुए वह मुस्कराया और बोला, 'भैया, अगली बार बाइक में कोई समस्या हो तो अपने इस हैंडसम हीरो के पास ही आना।' राहुल ने देखा, उस क्षण कारीगर की आखों में शिकायत नहीं, उसका आत्मविश्वास चमचमा रहा था।

-पावनी

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

निष्करुण समय में

हम जिस समय-समाज में जी रहे हैं, वह एक बड़े वर्ग के लिए बहुत निर्मम और निष्करुण है। संतोष की बात है कि हाशिए पर निरंतर धकेले जा रहे ऐसे वर्ग की दबी-दबी ही सही कुछ आवाजें, कविताओं में यदा-कदा सुनाई पड़ जाती हैं। युवा कवि शंकरानंद के नए कविता संग्रह 'नाखून में फंसी मिट्टी' की कविताओं को भी इस नजरिए से देखा जा सकता है। इन कविताओं में जीवन की त्रासदियों को वे बहुत सशक्तता से व्यक्त करते हैं। मिसाल के तौर पर गांव से शहर में विस्थापन की बाध्यता के दर्द को *'मेरे साथ गांव/सिर्फ परिचय में कागज पर है/ बस उतनी ही हैं मेरे पास जड़ें/जितनी पैरों के नाखून में फंसी मिट्टी।'* (नाखून में फंसी मिट्टी) जैसी पंक्तियों में महसूस किया जा सकता है। किसानों की मनोव्यथा को इस पंक्ति में देखा जा सकता है, *'वह किसी मुलायम मिट्टी जितना भुरभुरा है/इस तरह कि छूने से टूट जाए'* (इन दिनों किसान)। इसी तरह 'स्त्री का दुख' कविता की ये पंक्तियां हमें स्त्री जीवन की उस मर्मांतक पीड़ा की अनुभूति कराती हैं, जिसे प्रायः पुरुषों के द्वारा उपेक्षित ही किया जाता रहा है, *'कुछ दुख होते ही हैं ऐसे/जिसे कहा नहीं जाता/जुबान लाचार हो जाती है।'*

संग्रह की अधिकांश कविताएं हमारे समय की कुरूप छवियों को पूरी संवेदना के साथ सामने रखती हैं।

किताब: नाखून में फंसी मिट्टी (कविता संग्रह), **रचनाकार:** शंकरानंद, **मूल्य:** 325 रुपए, **प्रकाशक:** सेतु प्रकाशन, नोएडा

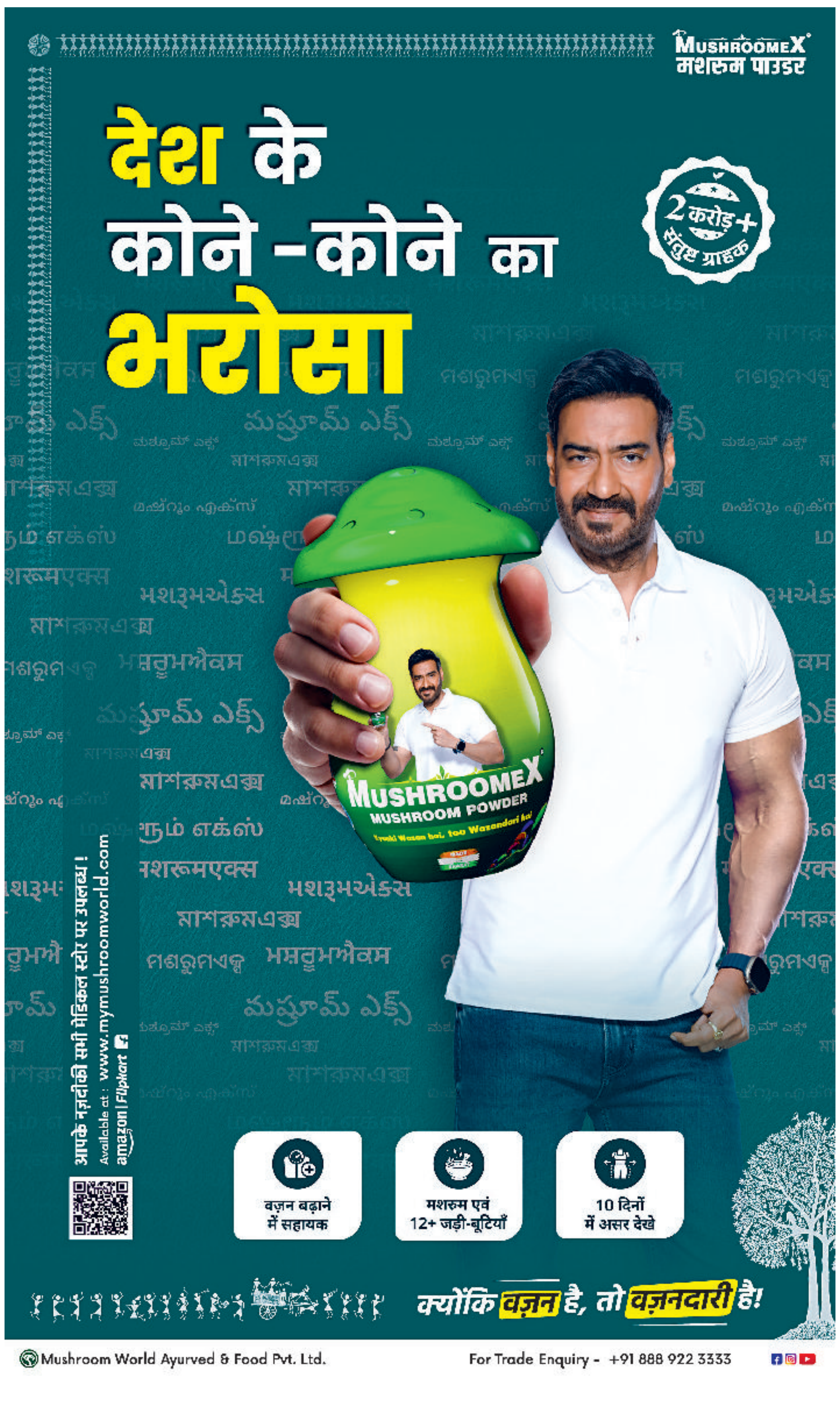

जन्माष्टमी पर लोकआस्था ही नहीं भक्ति का केंद्र बन जाता है मथुरा

जन्माष्टमी के पावन महीने भादपद के आते ही मथुरा सिर्फ एक शहर नहीं रहता, बल्कि लोकआस्था का उल्लासमय केंद्र बन जाता है। कृष्ण जन्माष्टमी की आहट के साथ वहां की गलियां, मंदिर और घाट भक्ति के रंग में रंग उठते हैं। आधी रात जन्मोत्सव के उस अलौकिक क्षण का साक्षी बनने देश-दुनिया से लाखों श्रद्धालु यहां उमड़ते हैं। यहां की विलक्षण भव्यता-दिव्यता पर एक दृष्टि।

धार्मिक स्थल / वीना गौतम

भाद्रपद या भादों का महीना आते ही देश के नक्शे पर एक शहर भक्ति और भावना का संगम, आस्था का केंद्र बन जाता है, यह शहर है- भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा। भादों महीने में, जो कल ही आरंभ हुआ है, मथुरा की गलियां अपने आपमें तीर्थ बन जाती हैं। हर गली में मौजूद अनेक मंदिरों वाला यह शहर एक विशाल पूजा स्थल में बदल जाता है।

पूरा शहर हो जाता है कृष्णमय: जन्माष्टमी के दिन तो मथुरा में पूरी रात देश के कोने-कोने से आए लाखों तीर्थयात्री भक्ति का जागरण करते हैं। सिर्फ जन्माष्टमी के दिन ही नहीं, पूरे भादों महीने में यहां देश ही नहीं बल्कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए तीर्थयात्रियों की उत्सवमयी मौजूदगी उल्लास गूंजता रहता है। हालांकि साल के बाकी दिनों में भी मथुरा में तीर्थयात्रियों की भरमार रहती है, लेकिन जन्माष्टमी की तो बात ही अलग होती है। इस दौरान तो जैसे पूरे महीने यह पूरा शहर कृष्णमय उत्सव का साक्षी बन जाता है।

पर्यटकों के ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था: इस साल कृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर 2026 को पड़ रही है और एक पखवाड़े पहले से ही तीर्थयात्रियों की ठहरने वाली सभी जगहें फुल हो चुकी हैं। लेकिन यह बात भी है कि इस शहर में तीर्थयात्रियों को ठहरने की कभी समस्या नहीं रहती, क्योंकि एक दशक पहले प्रचलित हुए, घर पर पर्यटकों को ठहराने की नीति के कारण मथुरा में बहुत सारे लोग इस मौके पर अपने घरों को तीर्थयात्रियों के लिए खोल देते हैं। इस तरह पर्यटकों को सुविधाजनक 'होम स्टे' का आनंद भी मिल जाता है।

इसलिए उमड़ता है जनसैलाब: भादों के महीने में यहां श्रद्धालुओं और सैलानियों का सैलाब इसलिए उमड़ता है, क्योंकि कृष्ण जन्माष्टमी का आकर्षण केवल धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं होता बल्कि लोग उस क्षण को प्रत्यक्ष अनुभव करने की इच्छा से यहां आते हैं। क्योंकि श्रीकृष्ण परंपरा में भगवान कृष्ण के जन्म को वही क्षण माना जाता है, जब ब्रज क्षेत्र में भगवान कृष्ण की मौजूदगी का भावनात्मक एहसास होता है। आधी रात में यह एहसास अपने चरम तक पहुंच जाता है और अगर आप जन्माष्टमी के समय मथुरा आए तीर्थयात्रियों से पूछें तो वे पूरे विश्वास के साथ कहते हैं कि उस रात उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का जीवंत अनुभव हुआ। दरअसल, भादों के पूरे महीने में संपूर्ण ब्रज क्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण की यह भक्तिमय मौजूदगी वातावरण में चुंबकीय आकर्षण के रूप में मौजूद रहती है।

लोकसंस्कृति-लोकस्मृति में बसे हैं कृष्ण: मथुरा की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यहां श्रीकृष्ण केवल मंदिर में देवता के रूप में ही विराजमान नहीं रहते बल्कि शहर की हर गली, हर कोने, हर नुक्कड़ में लोकस्मृति और संस्कृति की जीवंतता में कृष्ण की मौजूदगी रहती है। पौराणिक आख्यानों के अनुसार मथुरा वह जगह है, जहां कंस के कारागार में देवकी और वासुदेव के पुत्र कृष्ण का प्राकट्य हुआ था। कृष्ण की यही लोकस्मृति है, जिसके कारण मथुरा विशेष महत्व का तीर्थस्थल है।

जगह-जगह बसती है कृष्ण-लीला की स्मृति: कृष्ण जन्मभूमि मथुरा के हर स्थान में पर्यटक और भक्त भगवान श्रीकृष्ण की मौजूदगी अनुभव करते हैं। अत्याचारी कंस, देवकी-वासुदेव को कारागार की सजा, आधी रात में श्रीकृष्ण का जन्म और फिर नवजात शिशु को लेकर वासुदेव का यमुना पार करके गोकुल पहुंचना... हजारों साल से यह कथा भारतीय जनमानस में इस कदर रची बसी है कि यहां आने वाला हर श्रद्धालु, हर जगह श्रीकृष्ण की मौजूदगी देखता है। यही कारण है कि मथुरा आने वाले तीर्थयात्री सिर्फ मंदिर का दर्शन नहीं करते। वे पूरी मथुरा नगरी में अपने होने की अनुभूति कराते हैं। जहां-जहां कृष्ण की मौजूदगी के वृत्तांत मौजूद होते हैं, पहुंचकर भक्ति, भावना से हम सराबोर हो जाते हैं। जन्माष्टमी की आधी रात, जैसे ही 12 बजते हैं, मंदिरों में गूंजती घंटियों की आवाजें और भक्तों का उद्घोष मथुरा के साथ-साथ लाइव प्रसारण के माध्यम से पूरी दुनिया में उपस्थित कृष्ण भक्तों के लिए मथुरा जीवंत हो उठता है। मंदिरों की घंटियां, शंख, भजन-कीर्तन की ध्वनियों से पूरा शहर गूंज उठता है।

कृष्ण-कथा का विस्तृत सांस्कृतिक भूगोल: मथुरा का धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व, कृष्ण जन्मभूमि तक ही सीमित नहीं है। इसके आस-पास पूरा ब्रज क्षेत्र, कृष्ण-कथा का विस्तृत सांस्कृतिक भूगोल बन जाता है। मथुरा अगर भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि है तो वृंदावन बालकृष्ण की लीलाओं का केंद्र है। वृंदावन में भगवान श्रीकृष्ण, गोपियों के साथ रास करते थे और इसके इर्द-गिर्द बसे गोकुल, गोवर्धन, नंदगांव और बरसाना एक समूचा सांस्कृतिक वृत बनाता है, जो सावन से लेकर भादों के अंत तक भक्ति भावना में कृष्णमय बना रहता है। भादों के महीने में तो पूरा ब्रज क्षेत्र कृष्ण लीलाओं का विशाल मंच बन जाता है। मंदिर, फूलों और रोशनी से सजा विशाल मंच। जहां झांकियां निकलती हैं, रास लीलाएं होती हैं और भजन-कीर्तन तो अनवरत चलते रहते हैं। जन्माष्टमी के दौरान मथुरा-वृंदावन और पूरा ब्रज क्षेत्र आस्था, संगीत, परंपरा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का विशाल संगमस्थल बन जाता है।

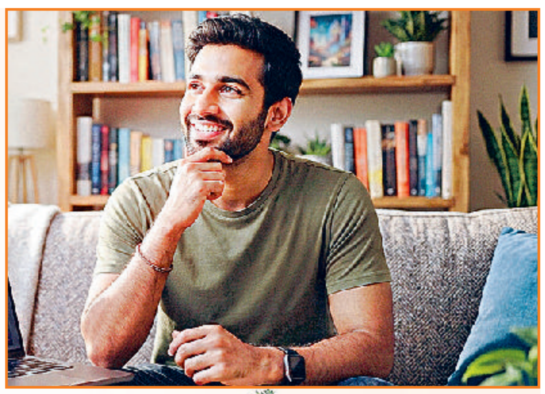

श्रीकृष्ण का जीवन दर्शन किसी रूढ़िवादी परंपरा का नाम नहीं है, बल्कि जीवन जीने का एक व्यावहारिक और आधुनिक विज्ञान है। उनकी शिक्षाओं से जुड़ी ये बातें, आज के युवाओं को संतुलित, सफल और शांतिपूर्ण जीवन जीने की राह दिखाती हैं।

आज के युवा श्रीकृष्ण से सीखें सुकून भरी जिंदगी के सूत्र

जीवन प्रेरणा

शिखर चंद जैन

भगवान श्रीकृष्ण केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शक नहीं हैं, बल्कि वे एक कुशल मनोवैज्ञानिक, संकट प्रबंधक और लाइफ कोच भी हैं। आज की जेनरेशन यानी वह पीढ़ी जो इंटरनेट, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साए में बड़ी हो रही है, एक ओर अभूतपूर्व अवसरों से घिरी है, तो दूसरी ओर मानसिक तनाव, अकेलेपन, 'फोमो' (फियर ऑफ मिसिंग आउट) और बर्नआउट जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। तेज रफ्तार और तुरंत परिणाम चाहने वाली इस दौर के युवाओं के लिए हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र के मैदान में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया गीता का उपदेश आज और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है।

हसल कल्चर का हल: आज के युवा 'हसल कल्चर' (रिजल्ट एंजाइटी) यानी रात-दिन भागदौड़ में उलझे रहते हैं। वे रील्स पर व्यूज, परीक्षाओं में टॉप करने या करियर में तुरंत मोटी सैलरी पाने के दबाव में लगातार जीते हैं। श्रीकृष्ण का सबसे प्रसिद्ध उपदेश है, 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचनः।' इसका अर्थ है कि तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने पर है, उसके फल पर नहीं। श्रीकृष्ण युवाओं को समझाते हैं कि जब हम परिणाम के बारे में बहुत अधिक सोचते हैं, तो हमारी पूरी ऊर्जा एंग्जाइटी में नष्ट हो जाती है और हम वर्तमान कार्य को पूरी निपुणता से नहीं कर पाते। युवाओं को परिणाम की चिंता छोड़कर अपनी पूरी ऊर्जा प्रोसेस पर लगानी चाहिए।

वैलिडेशन-ट्रोलिंग से निपटने का मंत्र: आज के युवाओं का एक बड़ा हिस्सा अपनी खुशी और आत्म-सम्मान को सोशल मीडिया के लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोअर्स की संख्या से मापता है। इस वजह से वे जरा-सी आलोचना या 'ट्रोलिंग' से टूट जाते हैं। गीता में श्रीकृष्ण 'स्थितप्रज्ञ' होने की बात करते हैं यानी ऐसा व्यक्ति, जो सुख और दुःख, मान और अपमान, प्रशंसा और निंदा में एक समान रहता है। युवाओं को यह समझना होगा कि दूसरों के डिजिटल कमेंट्स या ओपिनियन उनके अस्तित्व को तय नहीं करते।

पीयर प्रेशर-आइडेंटिटी क्राइसिस का समाधान: आज के दौर में 'ट्रेंड्स' के पीछे भागने की अंधी दौड़ है। युवाओं पर दोस्तों, परिवार और समाज की उम्मीदों का इतना दबाव होता है कि वे अपनी असली पहचान खो देते हैं। श्रीकृष्ण कहते हैं 'श्रेयान्स्वधर्मो विगुणः परधर्मात्स्वनुष्ठितात।' अर्थात दूसरों के रास्ते पर चलकर पूर्णता हासिल करने से कहीं बेहतर है कि आप अपने खुद के स्वभाव और क्षमताओं को पहचानें, भले ही उसमें शुरुआत में कुछ कमियां ही क्यों न हों। दूसरों की नकल करके डॉक्टर, इंजीनियर या इन्फ्लुएंसर बनने के बजाय युवाओं को अपनी प्रतिभा को पहचानना चाहिए और खुद के प्रति वफादार रहना चाहिए।

सिचुएशनशिप को संभालने का तरीका: आधुनिक समय में रिश्ते बहुत जल्दी बनते और बिगड़ते हैं। श्रीकृष्ण का जीवन और उनकी शिक्षाएं सिखाती हैं कि प्रेम में 'आसक्ति' यानी पजेसिवनेस के बजाय 'अनासक्ति' और निःस्वार्थ भाव होना चाहिए। श्रीकृष्ण ने राधा से प्रेम किया, लेकिन वे जीवन भर उनके साथ नहीं रहे, उन्होंने रुक्मिणी से विवाह किया और अपने राजनीतिक व सामाजिक कर्तव्यों का भी पालन किया। वे सिखाते हैं कि किसी भी व्यक्ति या परिस्थिति पर इस कदर निर्भर मत हो जाओ कि उसके बदलने पर आपका जीवन ही ठहर जाए। जीवन में आगे बढ़ना ही सच्ची परिपक्वता है।

एंग्जाइटी पर नियंत्रण: आज की पीढ़ी की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है ओवरथिंकिंग यानी अत्यधिक सोचना। श्रीकृष्ण गीता के छठे अध्याय में कहते हैं, 'बन्धुरात्मात्मनस्तस्य येनात्मैवात्मना जितः'। यानी जिस व्यक्ति ने अपने मन को जीत लिया है, उसका मन ही उसका सबसे अच्छा मित्र है। श्रीकृष्ण युवाओं को ध्यान, आत्म-नियंत्रण और सजगता के माध्यम से अपने भटकते हुए विचारों को नियंत्रित करने की सलाह देते हैं ताकि वे मानसिक शांति पा सकें। इस तरह श्रीकृष्ण युवाओं के सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शक हैं।

कंधे पर टंगा बैग अब सिर्फ किताबों/जरूरी सामानों का कैरियर नहीं रहा। अब बैगपैक भी यंगस्टर्स का स्टाइल स्टेटमेंट बन गए हैं। स्टाइल और कंफर्ट के कॉम्बो वाले ये बैगपैक्स आज के यंगस्टर्स को खूब भा रहे हैं।

यंगस्टर्स को भा रहे हैं बैगपैक के नए स्टाइल

न्यू ट्रेंड

संध्या सिंह

कॉलेज, कोचिंग, ऑफिस या छोटी-छोटी ट्रैवलिंग, आज के अधिकांश युवा बहुत मूवमेंट करते रहते हैं। ऐसे में बैगपैक अब सिर्फ किताबें ढोने वाला बैग नहीं रह गया, बल्कि युवाओं की रूटीन लाइफस्टाइल, जरूरतों और पर्सनालिटी का अहम हिस्सा बन चुका है। समय के साथ बैगपैक का स्वरूप भी बदला है। अब युवा ऐसा बैगपैक चाहते हैं, जो स्टाइलिश दिखने के साथ-साथ लैपटॉप की सुरक्षा करे, मोबाइल चार्ज करने में मदद करे, बारिश से सामान को बचाए और भीड़-भाड़ में चोरी से भी सुरक्षित रहे। यही कारण है कि बाजार में 'स्मार्ट बैगपैक' की मांग लगातार बढ़ रही है।

जरूरतों के हिसाब से बदलता बैगपैक: एक समय था, जब बैगपैक का मतलब केवल दो बड़े कंपार्टमेंट और पट्टियां हुआ करता था। लेकिन इस डिजिटल युग में विद्यार्थियों की जरूरतें बदल गई हैं। अब कॉलेज जाने वाले अधिकांश युवाओं के बैग में किताबों के साथ-साथ लैपटॉप, टैबलेट, चार्जर, पावर बैंक, ईयर बड्स, पानी की बोतल और कई अन्य जरूरी सामान भी होता है। इन्हीं बदली जरूरतों को देखते हुए कंपनियां ऐसे बैगपैक बना रही हैं, जो सुविधाओं से भरपूर और देखने में बेहद स्मार्ट हों।

मल्टी कंपार्टमेंट डिजाइन: आज के आधुनिक बैगपैक की सबसे बड़ी खासियत उसका मल्टी कंपार्टमेंट डिजाइन है। इसमें लैपटॉप के लिए अलग कुशनयुक्त हिस्सा, टैबलेट पॉकेट, चार्जर और केबल के लिए छोटे पॉकेट, पेन होल्डर और पानी की बोतल रखने के लिए अलग-अलग जगहें होती हैं। इससे सामान व्यवस्थित रहता है और जरूरत पड़ने पर तुरंत मिल जाता है।

वाटर रेजिस्टेंट फीचर: बारिश के मौसम को देखते हुए वाटर रेजिस्टेंस फैब्रिक वाले बैगपैक तेजी से लोकप्रिय हुए हैं। इसमें अचानक बारिश होने पर भी लैपटॉप, नोटबुक और दस्तावेज सुरक्षित रहते हैं। कुछ बैगों के साथ रेन कवर भी मिलता है, जिससे अतिरिक्त सुरक्षा मिल जाती है। जिन छात्रों को रोज लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, उनके लिए यह बेहद उपयोगी होता है।

एंटी-थेफ्ट फीचर: बैगपैक में अब एंटी-थेफ्ट फीचर भी जोड़े जा रहे हैं। छिपी हुई जिप, पीछे की ओर सीक्रेट पॉकेट, मजबूत लॉकिंग सिस्टम, यात्रा के दौरान चोरी या जोखिम को कम करते हैं। मेट्रो, बस और रेलवे स्टेशन जैसी भीड़भाड़ वाली जगहों पर यह सुविधा विशेष रूप से काम आती है।

चार्जिंग की सुविधा: टेक्नोलॉजी ने बैगपैक को और भी स्मार्ट बना दिया है। कई बैगों में यूएसबी चार्जिंग पोर्ट दिया होता है, इसमें अंदर पावर बैंक रखकर बाहर लगे पोर्ट से मोबाइल चार्ज किया जा सकता है। ऐसे में लगातार मोबाइल और इंटरनेट पर निर्भर युवाओं को बहुत सुविधा होती है। वे बेफिक्र होकर यात्रा कर सकते हैं।

कंफर्ट का पूरा ध्यान: पहले भारी बैग कंधों और पीठ पर अधिक दबाव डालते थे। लेकिन अब ऐसे डिजाइन वाले बैगपैक में गद्देदार शोल्डर स्ट्रैप, सांस लेने योग्य (ब्रीदेबल) बैग पैनल और संतुलित वजन वितरण की व्यवस्था होती है। इससे लंबे समय तक बैग उठाने पर भी कम थकान महसूस होती है।

स्टाइलिश और फैशनेबल: फैशन के मामले में भी अब बैगपैक का स्वरूप पूरी तरह से बदल गया है। पहले जहां चमकीले रंगों और बड़े लोगो का चलन होता था, वहीं आज युवा मिनिमल डिजाइन पसंद कर रहे हैं। ब्लैक, ग्रे, ऑलिव ग्रीन, नेवी ब्लू ऑर वेज जैसे कलर्स सबसे अधिक पॉपुलर हैं। ऐसे बैग कॉलेज के साथ-साथ ऑफिस, इंटर्नशिप और यात्रा में भी आसानी से इस्तेमाल किए जा सकते हैं।

ईकोफ्रेंडली ऑप्शन अवेलेबल: पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरुकता ने भी बैगपैक उद्योगों को प्रभावित किया है। अब कई बैग निर्माता री-साइकिल्ड प्लास्टिक बोतलों से बने फैब्रिक या अन्य टिकाऊ सामग्री का उपयोग कर रहे हैं। ऐसे उत्पाद उन युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं, जो फैशन के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी महत्व देते हैं।

खरीदते समय रखें ध्यान: स्मार्ट बैगपैक खरीदते समय केवल आकर्षक डिजाइन देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। सबसे पहले अपनी जरूरतों का आकलन करें। यदि रोज लैपटॉप ले जाना पड़ता है, तो मजबूत लैपटॉप कंपार्टमेंट होना जरूरी है। यदि यात्रा बहुत ज्यादा करनी पड़ती है, तो एंटी-थेफ्ट फीचर और वाटर रेजिस्टेंस प्राथमिकता होनी चाहिए। बैग का वजन भी खाली अवस्था में बहुत अधिक नहीं होना चाहिए, क्योंकि अतिरिक्त वजन लंबे समय में शरीर पर असर डाल सकता है।

आज का बैगपैक केवल सामान रखने की वस्तु नहीं है बल्कि यह मोबाइल आर्गेनाइजर बन चुका है। यह छात्रों की दिनभर की जरूरतों को व्यवस्थित रखता है और उनके विभिन्न डिजिटल उपकरणों की सुरक्षा करता है। बदलती जीवनशैली में बैगपैक का यह नया अवतार युवाओं की व्यावहारिक सोच, तकनीकी जरूरतों और फैशन के मेल का बेहतरीन उदाहरण है।

स्मार्ट बैगपैक में हों ये फीचर्स: आपके बैगपैक में ये फीचर्स जरूर होने चाहिए, तभी वो स्मार्ट लगेंगे।

- इसमें लैपटॉप कंपार्टमेंट कुशनयुक्त और सही आकार का हो।
- वाटर रेजिस्टेंस फैब्रिक के साथ रेन कवर जरूरी है।
- एंटी-थेफ्ट पॉकेट और मजबूत जिप, सुरक्षा बढ़ाती है।
- गद्देदार शोल्डर स्ट्रैप और बैक सपोर्ट आरामदायक होने चाहिए।
- कम से कम 20 से 30 लीटर क्षमता वाला बैग कॉलेज छात्रों के लिए पर्याप्त रहता है।
- यूएसबी चार्जिंग पोर्ट जैसी सुविधा उपयोगी हो सकती है, लेकिन गुणवत्ता को प्राथमिकता दें। इस मामले में याद रखें कि खाली बैग का वजन जितना कम होगा, वह उतना ही बेहतर होगा।

जन्माष्टमी आते ही श्रीकृष्ण की लीलाओं और कृष्ण भक्ति से जुड़े गीत खूब सुनाई पड़ने लगते हैं। हिंदी सिनेमा में भी श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित ऐसे अनेक गीत रचे गए हैं, जो हर किसी की जुबान पर चढ़े हुए हैं। ऐसे ही कुछ लोकप्रिय गीतों पर एक नजर।

कृष्ण-कन्हैया के रंग में रंगे बॉलीवुड के लोकप्रिय गीत

'अमर प्रेम' का गीत 'बड़ा नटखट है रे'

'खुद्दार' का गीत 'मच गया शोर सारी नगरी रे'

'ब्लफ मास्टर' का गीत 'गोविंदा आला रे'

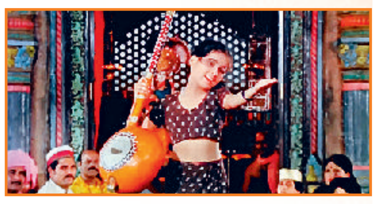

'सत्यम शिवम सुंदरम' का गीत 'यशोमती मैया से'

सिने ट्रेंड

मनोज प्रकाश

अपने शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों से भक्ति गीत-संगीत का नाता रहा है। इनमें भी भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति पर केंद्रित या उनकी बाल्य-किशोर लीलाओं के इर्द-गिर्द बड़ी संख्या में फिल्मी गीत रचे जाते रहे हैं और लोगों में भी इनके प्रति दीवानगी खूब देखने को मिलती है। बॉलीवुड में जब श्रीकृष्ण के विभिन्न नाम और उनकी लीलाओं पर आधारित गीतों का चलन आरंभ हुआ तो ये इतने लोकप्रिय हुए कि मंदिरों और पूजा-स्थलों में भी गाए-बजाए जाने लगे।

बहुत लोकप्रिय हुए ये गीत: श्रीकृष्ण पर केंद्रित कई सुमधुर गीतों को लता मंगेशकर ने अपनी आवाज में गाकर बहुत लोकप्रिय बना दिया। ये गीत श्रोताओं के मन को छूते हैं, आत्मा में उतरते हैं। इन गीतों को सुनकर अनायास ही मन में श्रीकृष्ण की मोहक छवियां उभरती हैं। सन 1972 में आई फिल्म 'अमर प्रेम' का गीत 'बड़ा नटखट है रे कृष्ण कन्हैया, का करे यशोदा मैया' आनंद बख्शी की कलम से निकलकर हर उस मां के लिए लोरी गीत बन गया, जो गोद में लिए बालक में बाल कृष्ण का रूप देखती हैं। 1978 की फिल्म 'सत्यम शिवम सुंदरम' का गीत 'यशोमती मैया से बोले नंदलाला, राधा क्यों गोरी मैं क्यों काला' में बाल कृष्ण की नटखट अदाएं इस तरह से समाहित हैं कि लगता है जैसे नंदलाला हमारे सामने ही मां को उलाहना दे रहे हैं। इसी तरह लता मंगेशकर का गाया फिल्म 'संतोष' (1989) का गीत 'बंसी वाले ने घेर लई, अकेली जो पनिया भरन मैं गई' बृज क्षेत्र के साथ ही पूरे देश में लोकगीत की तरह खूब लोकप्रिय हुआ। फिल्म 'शागिर्द' (1967) का 'कान्हा आन पड़ी मैं तेरे द्वार', 'जॉनी मेरा नाम' (1970) का 'मोसे मोरा श्याम रूठा... छुप छुप मीरा रोए, दर्द न जाने कोई' जैसे कृष्ण भक्ति के रंग में रंगे कई गीतों को लता मंगेशकर ने अपनी आवाज देकर अमर बना दिया। ये आज भी पूरे मन से सुने जाते हैं।

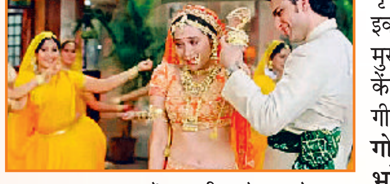

'हम साथ-साथ हैं' का गीत 'मैया यशोदा'

भक्ति-भाव से भरे कृष्ण गीत: भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति पर केंद्रित कई हिंदी फिल्मी भजन भी खूब सुने सुनाए जाते हैं। वर्ष 1952 की फिल्म 'बैजू बावरा' में मोहम्मद रफी ने अपनी धीर-गंभीर आवाज में कृष्ण को याद करते हुए 'मन तड़पत हरि दर्शन को आज' गाया था। इसे सुनकर श्रोता आज भी मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। 1957 में आई फिल्म 'मिस मेरी' का गीत 'वृंदावन का कृष्ण कन्हैया सबकी आंखों का तारा, मन ही मन क्यों जले राधिका मोहन तो है सबका प्यारा' आज भी जन्माष्टमी के अवसर पर सुना-गाया जाता है। मोहम्मद रफी की ही आवाज में फिल्म खानदान (1965) का गीत 'बड़ी देर भई नंदलाला, तेरी राह तके बृजवाला, ग्वाल-बाल इक-इक से पूछे कहां है मुरली वाला रे' श्रीकृष्ण पर केंद्रित सबसे लोकप्रिय गीतों में से एक है।

गोविंदा पर केंद्रित उमंग भरे गीत: कृष्ण कन्हैया पर केंद्रित गीतों की बात हो और 'मटकी और गोविंदा' का जिक्र न हो, ऐसा कैसे हो सकता है भला! फिल्म 'बदला' (1974) में किशोर कुमार का गाया गीत 'शोर मच गया शोर, देखो आया माखन चोर', 'खुद्दार' (1982) का 'मच गया शोर सारी नगरी रे, आया बिरज का बांका संभाल तेरी गगरी रे' युवाओं को न सिर्फ जोश में भरता है बल्कि कृष्ण की लीलाओं का इस तरह से बखान करता है कि मन में कन्हैया की शैतानियां हिलोरे लेने लगती हैं। ये गीत आज भी होली-जन्माष्टमी जैसे उत्सवों पर बजाए जाते हैं।

ऐसे ही 'ब्लफ मास्टर' (1963) का गीत 'गोविंदा आला रे आला', 'ओह माइ गॉड' (2012) का 'गो गो गोविंदा', 'किसना : द वॉरिअर पोएट' (2005) का 'वो किसना है' जैसे गीत भी खूब पॉपुलर हुए थे।

कुछ अन्य लोकप्रिय गीत: कृष्ण भक्ति और कृष्ण लीलाओं पर केंद्रित कई अन्य गीत भी खूब लोकप्रिय हुए। 1975 में आई फिल्म 'गीत गाता चल' में आरती मुखर्जी और जसपाल सिंह की आवाज में 'श्याम तेरी बंसी पुकारे राधा नाम' आज भी सुना जाता है। ऐसे ही 'हम साथ साथ हैं' (1999) का 'मैया यशोदा ये तेरा कन्हैया', लगान (2001) का 'राधा कैसे न जले' जैसे गीत आज भी लोकप्रिय हैं।

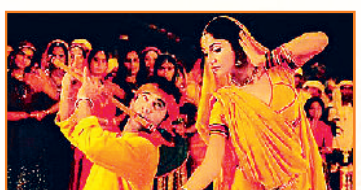

फिल्म 'लगान' का गीत 'राधा कैसे न जले'

श्रीकृष्ण पर केंद्रित गैर फिल्मी गीत भी हुए लोकप्रिय

श्रीकृष्ण पर केंद्रित लोकप्रिय फिल्मी गीतों के अतिरिक्त भजन गायकों और लोकगायकों द्वारा गाए कुछ गीत भी बहुत पॉपुलर हुए हैं। उदाहरण के तौर पर 'अरे द्वारपालों कन्हैया से कह दो', 'छोटी-छोटी गैया, छोटे-छोटे ग्वाल', 'हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की', 'अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरम', 'राधे राधे जपो चले आएंगे बिहारी' जैसे गीतों का जिक्र किया जा सकता है। ये ऐसे गीत हैं जो घर-घर में और मंदिरों में खूब सुने-सुनाए जाते हैं।